गाजियाबाद , दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

दैनिक

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

वर्षः 27 ● अंकः 47 ● गाजियाबाद, शनिवार 17 मई, 2025 ● सम्पादक-अशोक कौशिक ● मूल्य : 1 रूपया

जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ा, चोपड़ा दूसरे स्थान पर

दोहा। दोहा डायमंड लीग में हिस्सा ले रहे नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया। नीरज ने तीसरे प्रयास में 90.23 मीटर का थ्रो किया। यह पहली बार है जब नीरज ने अपने करियर में 90 मीटर का थ्रो किया है। नीरज ने जब टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था, वह उस वक्त भी 90 मीटर का थ्रो नहीं फेंक सके थे। नीरज ने हमेशा कहा था कि उन्हें भरोसा है कि वह एक दिन 90 मीटर का थ्रो करने में सफल रहेंगे और दोहा डायमंड लीग में उन्होंने यह बाधा भी पार कर ली। नीरज के करियर का यह सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी है।इससे पहले नीरज का करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.94 मीटर था जो

उन्होंने 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग में बनाया था। तीसरे प्रयास में जूलियन वेबर ने 89.06 मीटर का थ्रो किया। वहीं, किशोर जेना तीसरे प्रयास में फाउल कर बैठे। तीन प्रयास के बाद नीरज पहले स्थान पर बने रहे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज सबसे पहले थ्रो करने आए और उन्होंने पहले ही प्रयास में 88.44 मीटर का थ्रो किया। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी एंडरसन पीटर्स ने पहले प्रयास में 85.64, जूलियन वेबर ने 83.82 और जूलियस येगो ने 68.81 मीटर का थ्रो किया। वहीं, भारत के एक अन्य भाला फेंक एथलीट किशोर जेना ने पहले प्रयास में 68.07 मीटर के थ्रो के साथ शुरूआत की।

नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में अच्छी शुरूआत की, लेकिन दूसरे प्रयास में लय गड़बड़ा गए और फाउल कर बैठे। हालांकि, वह अभी भी शीर्ष पर चल रहे हैं। वहीं, भारत के एक अन्य भाला फेंक एथलीट किशोर जेना ने दूसरे प्रयास में 78.60 मीटर का थ्रो किया। गुलवीर सिंह पुरुषों के 5000 मीटर दौड़ में 13:24.32 मिनट के साथ नौवें स्थान पर रहे। गुलवीर पहली बार डायमंड लीग में उतरे थे। केन्या के रेनोल्ड चेरुयोत इस स्पर्धा में पहले स्थान पर रहे। इस टूनामेंट में अच्छा प्रदर्शन उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से नीरज को दोहा में काफी समर्थन मिलने के आसार हैं। नीरज का सामना दो बार के विश्व चैंपियन और 2024 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वादलेच, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पधाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं।

मथुरा के नौहझील में ईंट-भट्ठों पर पथाई कर रहे 90 बांग्लादेशी हिरासत में, 10 से 15 साल पहले आए थे भारत

मथुरा। मथुरा के थाना नौहझील पुलिस ने सत्यापन के दौरान ईंट-भट्ठों पर मजदूरी कर रहे महिला-पुरुष व बच्चों सहित 90 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया है। पुलिस उनसे पूछताछ में जुटी है। थाना क्षेत्र में सैकड़ों ईंट-भट्ठा संचालित हैं। इनमें बिहार, मध्यप्रदेश, असम सहित अन्य राज्यों के लोग ईंट-पथाई का काम करते हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने गत दिनों क्राइम मीटिंग में संदिग्ध लोगों के सत्यापन के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को खुफिया विभाग और पुलिस को सत्यापन के दौरान गांव खाजपुर स्थित मोदी ईंट भट्ठे की झुग्गी-झोपड़ियों में कुछ संदिग्ध मजदूर दिखे। पूछताछ में उन्होंने अपने आप को बंगाल का बताया। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने स्वयं को बांग्लादेशी मुस्लिम बताया। बताया

कि क्षेत्र के गांव जरैलिया-सेऊपट्टी स्थित आरपीएस ईंट उद्योग पर भी उनके कुछ साथी कार्य कर रहे हैं। पुलिस को वहां भी बांग्लादेशी मिल मिले। पुलिस ने दोनों भट्ठों से 35 पुरुष, 27 महिला, 28 बच्चों सहित 90 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया है। पुलिस पूछताछ के लिए उन्हें थाने ले आई। बांग्लादेशियों ने बताया कि 10-15 वर्ष पहले वे भारत आ गए थे। यहां हरियाणा, गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली, अलीगढ़ में काम करते रहे। 6-7 महीने से यहां पथाई का कार्य कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि पकड़े गए बंगलादेशी लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। अन्य सुरक्षा व जांच एजेंसियों को भी सूचना दी गई है।

रक्षा बजट 50 हजार करोड़ रुपये बढ़ाने की तैयारी कर रहा भारत, सेना के लिए खरीदे जाएंगे हथियार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच भारत अपनी सेनाओं को उन्नत हथियारों, गोला-बारूद और विभिन्न सैन्य उपकरणों से लैस करने के लिए रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी संसद के शीत सत्र के दौरान अनुपूरक बजट के माध्यम से की जा सकती और इसके साथ कुल रक्षा आवंटन को 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सरकार ने महसूस किया है कि भारतीय सेनाओं को सामरिक लिहाज से और मजबूत करना और इस्राइल की आयरन डोम जैसी उन्नत वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की जरूरत है। यही वजह है कि रक्षा मंत्रालय की तरफ से

लड़ाकू विमानों, मिसाइलों आदि की खरीद के लिए रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह राशि हथियार खरीद के अलावा स्वदेशी स्तर पर अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने में इस्तेमाल की जाएगी। हालांकि, रक्षा बजट 2014 से ही मोदी सरकार की प्राथमिकता में शामिल रहा है। भाजपा सरकार के पहले वर्ष 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस वर्ष 1 फरवरी को पेश 2025/26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए थे। यह आवंटन 2024-25 के 6.22 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 9.2 प्रतिशत अधिक था।

रोहिंग्या निर्वासन पर 'सुप्रीम' फटकार: देश मुश्किल दौर में है, आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रोहिंग्याओं के निर्वासन को लेकर याचिका दायर करने वालों को फटकार लगाई। याचिका में कहा गया था कि महिलाओं और बच्चों समेत 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को म्यांमार वापस भेजने के लिए अंडमान सागर में छोड़ दिया गया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब देश मुश्किल दौर से गुजर रहा है तो आप काल्पनिक विचार लेकर आए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता मोहम्मद इस्माइल और अन्य की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई सामग्री की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाया। साथ ही रोहिंग्याओं के आगे निर्वासन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। पीठ ने याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस से कहा कि जब देश कठिन समय से गुजर रहा

है, तो आप इस तरह के काल्पनिक विचार लेकर आते हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री सोशल मीडिया से ली गई नजर आती है और रोहिंग्याओं को यातना देने तथा उन्हें समुद्र में फेंककर निर्वासित करने के आरोपों को मात्र आरोप बताया गया है। न्यायमूर्ति कांत ने पूछा कि आरोपों को प्रमाणित करने वाली सामग्री कहां है? पीठ ने कहा कि निर्वासित लोगों और दिल्ली में रहने वाले याचिकाकर्ता के बीच कथित फोन कॉल की बातचीत की रिकॉर्डिंग सत्यापित नहीं की गई है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि क्या किसी ने इन फोन कॉलों की पुष्टि की है कि वे म्यांमार से आए थे? इससे पहले हमने एक मामले की सुनवाई की थी, जिसमें झारखंड के जामताड़ा से अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के फोन नंबरों से कॉल किए गए थे।

वकील गोंजाल्विस ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उसने भी इस मुद्दे पर संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है, तो पीठ ने कहा कि बाहर बैठे लोग हमारे प्राधिकारों और संप्रभुता को निर्देशित नहीं कर सकते। पीठ ने गोंजाल्विस से कहा कि वह याचिका की प्रतिलिपि अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय को सौंप दें ताकि इसे सरकार के संबंधित अधिकारियों को भेजा जा सके और मामले की सुनवाई 31 जुलाई को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष निर्धारित कर दी। पीठ ने कहा कि बयानों के समर्थन में कोई भी सामग्री उपलब्ध नहीं है। जब तक आरोपों को प्रथम दृष्टया कुछ सामग्री से समर्थन नहीं मिलता, तब तक हमारे लिए एक बड़ी पीठ द्वारा पारित आदेश पर विचार करना कठिन है। शीर्ष अदालत ने याचिका में की गई बातों को बेहतरीन भाषा का प्रयोग करते हुए खूबसूरती से गढ़ी गई कहानी करार दिया और कहा कि वह तीन न्यायाधीशों की पीठ के साथ बैठकर संयुक्त राष्ट्र निकाय की रिपोर्ट पर टिप्पणी करेगी। कोर्ट ने गोंजाल्विस से आगे पूछा कि हर दिन आप एक नई कहानी लेकर आते हैं। इस कहानी का आधार क्या है? आपके आरोपों को पुष्ट करने के लिए सामग्री कहां है?

याचिका में आरोप लगाया कि आठ मई को पिछली सुनवाई के बाद कई रोहिंग्याओं को अंडमान ले जाकर निर्वासित कर दिया गया और उन्हें समुद्र में छोड़ दिया गया। अब उन्हें युद्ध क्षेत्र में डाल दिया गया है, जहां मारे जाने का खतरा है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उन्हें उनमें से एक का फोन आया है, जिसे रिकार्ड कर लिया गया है।

जल जीवन मिशन: योजना की गुणवत्ता को लेकर मुख्यमंत्री सख्त

जल जीवन मिशन से जुड़े 183 अफसरों-कर्मियों पर एक्शन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बीते चार वर्षों के दौरान 183 अफसरों-कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इनमें से 122 अधिकारियों पर जांच बैठाई गई है और 55 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है, जबकि 6 को निलंबित कर दिया गया है। जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से गंभीर हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त

नहीं की जाएगी। मिशन के अंतर्गत कार्यों की नियमित निगरानी और मूल्यांकन के आधार पर दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों पर एक्शन लिया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सबसे अधिक कार्रवाई अधिशासी अभियंताओं पर की गई है। अभी तक कुल 07 मुख्य अभियंताओं पर अनुशासनिक जांच बैठाई गई, जबकि 04 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। इसके अलावा 05 अधीक्षण अभियंताओं पर जांच और 07 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। 59 अधिशासी अभियंताओं पर जांच बैठाई गई है, तो 44 को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर 04 को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही 32 सहायक अभियंताओं पर जांच बैठाकर 02 का निलंबन किया गया है। वहीं, 19 अवर अभियंताओं की अनुशासनिक जांच की गई है। इस तरह लापरवाही बरतने वाले कुल 122 अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक जांच, 55 को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई और 06 का निलंबन किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में जल जीवन मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। उत्तर प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने जल जीवन मिशन के तहत सबसे अधिक नल कनेक्शन उपलब्ध कराए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि विकास योजनाओं में लापरवाही बरतने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर घर तक समय पर और गुणवत्ता युक्त शुद्ध पेयजल पहुंचे।

तुर्की के व्यापारी ट्रेड को लेकर भारतीयों से लगा रहे गुहार, लगातार संपर्क करने की कर रहे हैं कोशिश

नई दिल्ली। भारत और तुर्की के बीच बढ़ते तनाव के बीच, तुर्की के व्यापारी अब भारत के कारोबारियों से व्यापारिक रिश्ते बनाए रखने की गुहार लगा रहे हैं। पाकिस्तान के समर्थन के बाद भारत में तुर्की के उत्पादों का बहिष्कार शुरू हो गया है, खासकर राजस्थान के मार्बल व्यापारियों द्वारा तुर्की से आयात बंद करने के फैसले के बाद। अब तुर्की के कारोबारी भारत के व्यापारियों से लगातार संपर्क कर रहे हैं, ताकि इस तनावपूर्ण स्थिति के बावजूद व्यापारिक संबंधों को जारी रखा जा सके।

जयपुर और किशनगढ़, जो कि देश के सबसे बड़े मार्बल हब माने जाते हैं, वहां हर साल करोड़ों का तुर्की मार्बल आता है। लेकिन अब व्यापारियों ने साफ

शब्दों में कहा है कि तुर्की से कोई भी उत्पाद नहीं मंगाया जाएगा। व्यापारी संगठनों का कहना है कि जो देश भारत के दुश्मनों का समर्थन करेगा, उससे कोई रिश्ता नहीं रखा जाएगा, चाहे नुकसान कुछ भी हो। तुर्की के व्यापारियों को जब भारत के इस कदम का पता चला, तो वे घबरा गए। भारत एक बड़ा बाजार है और तुर्की का व्यापार इससे सीधे जुड़ा हुआ है। अब तुर्की के कारोबारी भारत के व्यापारियों को लगातार कॉल, ईमेल और मैसेज कर रहे हैं। वे गुजारिश कर रहे हैं कि तुर्की सरकार की गलती की सजा उन्हें न दी जाए और भारत से व्यापार बंद न किया जाए। मगर भारत के कारोबारी इस बार पूरी तरह से एकजुट हैं। जयपुर के विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया के मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश सोमानी ने कहा है कि तुर्की ने पाकिस्तान का साथ देकर अपना असली चेहरा दिखा दिया है। अब हमारे इंडस्ट्रियल एरिया में कोई व्यापारी तुर्की से मार्बल नहीं मंगाएगा। राष्ट्रहित हमारे लिए सबसे ऊपर है।' व्यापारियों ने यह भी कहा कि यदि तुर्की ने अपनी नीति नहीं बदली, तो यह बहिष्कार पूरे भारत में फैल जाएगा और इसका असर लंबे समय तक तुर्की को झेलना पड़ेगा।

बाढ़ बचाव के सारे कार्यक्रम 15 जून तक पूर्ण कराएं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने कहा- उत्तर प्रदेश फ्लड प्लेन जोनिंग में देश के अग्रणी राज्यों में, आठ वर्षों में 1665 बाढ़ परियोजनाएं पूरी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि 15 जून से पहले सभी बाढ़ बचाव से जुड़े कार्यक्रम पूर्ण कर लिए जाएं ताकि संभावित प्राकृतिक आपदा से पहले तैयारी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश फ्लड प्लेन जोनिंग के क्षेत्र में देश के अन्य राज्यों से अग्रणी है। प्रदेश में बाढ़ बचाव से जुड़ी कार्य योजना समय से पूरी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत आठ वर्षों में राज्य में 1665 बाढ़ परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं, जिससे 40.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को सुरक्षा प्राप्त हुई और 319.14 लाख की आबादी लाभान्वित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए ताकि मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ बचाव की दीर्घकालिक रणनीति में नदी ड्रेजिंग एवं चैनलाइजेशन ही सबसे प्रभावी समाधान है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच 60 नदियों की ड्रेजिंग परियोजनाएं पूरी की गई हैं, जिससे 4.07 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को लाभ मिला है और 23 लाख से अधिक जनसंख्या को राहत मिली है। उन्होंने नदी पुनरोद्धार अभियान को युद्धस्तर पर चलाने की आवश्यकता जताई और निर्देश दिया कि सिंचाई, राजस्व, नमामि गंगे और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय

बनाकर लुप्तप्राय नदियों को पुनर्जीवित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रदूषित नदियों को स्वच्छ करना राज्य की प्राथमिकता है और किसी भी औद्योगिक अपशिष्ट को नदियों में जाने ना दिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नमामि गंगे एवं सिंचाई विभाग मिलकर यमुना नदी की सफाई, चैनलाइजेशन और नालों की टैपिंग के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाएं। उन्होंने विशेष रूप से काशी की वरुणा और अस्सी नदियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका ऐतिहासिक महत्व है और इनका पुनर्जीवन किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि वरुणा नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण करें और रिजर्व वायर एवं चेक डैम बनाकर उसके पानी को सिंचाई के उपयोग में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्सी नदी के पुनर्जीवन का कार्य भी जल्द प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मौजूद सभी रिजर्व वायर की मरम्मत और डिसिल्टिंग का कार्य समयबद्ध ढंग से किया जाए और नए रिजर्व वायर बनाने की योजना तैयार की जाए। साथ ही मुजफ्फरनगर में शुक्रताल तीर्थ की तर्ज पर विदुर कुटी में गंगा की धारा लाने की योजना पर भी तेजी से कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में 1129 सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण हुई हैं, जिससे 5019640 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा सृजित हुई है और 21688493 कृषकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सरयू नहर, बाणसागर और अर्जुन सहायक परियोजनाएं अब पूरी हो चुकी हैं और मिशन मोड में इनके माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ध्यान रहे कि अन्नदाता को सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता में कोई कमी न होने पाए। मुख्यमंत्री कहा कि राज्य सरकार बाढ़ और सूखे जैसी विपदाओं को केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक तत्परता से रोकी जा सकने वाली चुनौती मानती है। उन्होंने कहा कि पूर्व तैयारी और ठोस जल नीति के माध्यम से प्रदेश को जल संकट से मुक्त और किसानों को समृद्ध किया जा सकता है।

मटियाला रोड सदरपुर में अवैध निर्माणों पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा की गई ध्वस्तीकरण कार्यवाही

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निदेशों के क्रम में शुक्रवार को प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में मो० आबिद व मौ० अतीक पुत्रगण शमशूददीन व इन्द्रपाल पुत्र श्री हरि सिंह आदि द्वारा जनहित इस्टीटयूट के सामने मटियाला रोड़, ग्राम सदरपुर, गाजियाबाद में लगभग 21.00 बीघा में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों की बाउण्ड्रीवाल, सड़क, विद्युत पोल आदि के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय स्थानीय विकासकताओं/निर्माणकताओं द्वारा काफी विरोध किया गया, परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गयी। मौके पर उपस्थित लोगो से यह अपील की गयी कि अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों का क्रय, विक्रय न करें। स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय अधिशासी अभियन्ता एवं सहायक अभियन्तागण एवं अवर अभियन्तागण एवं समस्त सुपरवाईजर/मेट, स्थानीय पुलिस बल तथा प्राधिकरण पुलिस बल उपस्थित रहा।

कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता की स्थिति में करें 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' हेतु आवेदन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांग होने की स्थिति में उनके परिवार को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' संचालित है। यह योजना उत्तर प्रदेश के निवासी ऐसे कृषकों के लिए है, जो दुर्घटनावश मृत/दिव्यांग हो जाते हैं।

योजना का लाभ लेने हेतु कृषक की मृत्यु/दिव्यांगता की तिथि को उसकी आयु 18 से 70 वर्ष तक हो। इस योजना के अन्तर्गत आग लगने, बाढ़, बिजली गिरने, करन्ट लगने, सॉप के काटने, जीव-जन्तु/जानवर द्वारा काटने/मारने/ आक्रमण से, समुद्र, नदी, झील, तालाब, पोखर व कुएं में डूबने, आंधी-तूफान, वृक्ष से गिरने/दबने, मकान गिरने, रेल/रोड/वायुयान/अन्य वाहन आदि से दुर्घटना, भू- स्खलन, भूकंप, गैस रिसाव, विस्फोट, सीवर चैम्बर में गिरने अथवा अन्य किसी कारण से कृषक की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता होती है, तो कृषक/विधिक वारिस/वारिसों को आर्थिक सहायता अनुमन्य होगी। इस योजना के अन्तर्गत कृषक की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता की दशा में अधिकतम रू० 5,00,000/- (रुपए पांच लाख मात्र) की सहायता राशि नियमों के अन्तर्गत देय होगी, जो कि राज्य सरकार द्वारा वहन की जायेगी। कृषक/विधिक वारिस/वारिसों को योजना के अन्तर्गत सहायता प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ यथा वांछित साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अवधि में कृषक की दुर्घटनावश मृत्यु अथवा दिव्यांगता होने के डेढ़ माह (45 दिन) की अवधि में सम्बन्धित तहसील कार्यालय में जमा करना होगा। इस आवेदन को बोर्ड ऑफ रेवेनुए राजस्व परिषद की वेबसाइट https://bor.up.nic.in से ऑनलाइन भी किया जा सकता है।

विवेक तिवारी की घातक गेंदबाजी से एचसीए पायनियर सेमीफाइनल में

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आज बाडीकेयर कप नवम संदीप सूरी स्मृति क्रिकेट टूनार्मेंट के अन्तर्गत खेले गए लीग मैच मे एचसीए पायनियर ने विवेक तिवारी की घातक गेंदबाजी (6 विकेट 23 रन देकर) की मदद से कारपेडियम इंडिया को 10 विकेट से परास्त किया।

टास जीत कर कारपेडियम इंडिया के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया परन्तु बांये हाथ के फिरकी गेंदबाज विवेक तिवारी की घूमती गेदो के सामने कोई बल्लेबाज जम कर नहीं खेल पाया फलस्वरूप सभी खिलाड़ी मात्र 20 ओवर मे 88 रन बना कर आउट हो गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एचसीए पायनियर के ओपनर जसमीत नैन 68 रन 18 गेद व मयंक 25 रन 13 गेद ने धुआंधार अविजित पारी खेल कर 5 ओवर मे अपनी टीम को विजय दिला दी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विवेक तिवारी को संजय शर्मा ने प्रदान किया, संचालन विश्वजीत सिंह ने किया। प्रमुख स्कोरः कारपेडियम इंडिया : 88 रन सभी आउट, 19 ओवर में। सौरभ गोडियाल 31 रन, (8 चौके) विवेक तिवारी 06-03-23-06 जसमीत नैन 02-00-02-02 एचसीए पायनियर : 94 रन 5 ओवर में जसमीत नैन 68 रन (4 चौके, 7 छक्के, 18 गेद) अविजित मयंक 25 रन (4 चौक्के, 1 छक्का, 13 गेंद) अविजित आगामी मैच दिनांक 19-05-2025 को यूपी पुलिस बनाम रवि ब्रदर्स के मध्य खेला जाएगा।

17 से 19 मई तक तीन दिवसीय तिरंगा यात्रा का आयोजन, सैनिकों के शौर्य और प्रधानमंत्री के नेतृत्व को समर्पित यात्रा की तैयारियां पूरी

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। विकसित भारत की दिशा में अग्रसर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना और देश की सीमाओं पर शौर्य दिखा रहे वीर सैनिकों को समर्पित, गाजियाबाद महानगर द्वारा 17 से 19 मई तक तीन दिवसीय तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा न केवल राष्ट्रभक्ति और एकता का प्रतीक होगी, बल्कि देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों और सैनिकों के प्रति श्रद्धांजलि भी होगी। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित यह यात्रा साहिबाबाद, मुरादनगर और गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी। यात्रा कार्यक्रम कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 17 मई को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में शाम 5 बजे, शालीमार गार्डन मंगल पांडे चौक से भारत माता चौक तक यात्रा निकाली जाएगी। 18 मई को मुरादनगर विधानसभा में शाम 5 बजे से यात्रा सैक्टर 23, संजय नगर रानी लक्ष्मी बाई चौक, पी ब्लॉक चौराहा से रामलीला मैदान हनुमान मंदिर चौक तक आयोजित होगी। 19 मई को गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में शाम 6:30 बजे, त्रिपाठी नर्सिंग होम से स्वदेशी चौक विजयनगर तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत आयोजन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को एक अहम बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, यात्रा महानगर संयोजक सचिन डेढ़ा एवं सह-संयोजक संदीप चौधरी की उपस्थिति में तीनों विधानसभाओं के संयोजक और सह-संयोजकों के साथ रणनीति तय की गई। यात्रा के दौरान जनसंपर्क अभियान, सुरक्षा प्रबंधन और रूट प्लान को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में सुनील यादव, संजय कांत शर्मा, नवनीत मित्तल, आशीष चौधरी, मोनू त्यागी, अमित रंजन सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल आयोजन नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वसुधैव कुटुंबकम के संकल्प का जनजन में प्रसार है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पूरे जोश और समर्पण के साथ इस यात्रा को ऐतिहासिक और जन-जागरूकता से भरपूर बनाएं।

व्योम त्यागी ने हाईस्कूल में 90% से ज्यादा अंक लाकर किया स्कूल और माता पिता का नाम रोशन

खेल और पढ़ाई दोनों में अव्वल हैं व्योम त्यागी

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। देश के प्रत्येक बच्चे के सस्ती और सुलभ शिक्षा के सपने को साकार करने के लिए दृढ़संकल्पित गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सीमा त्यागी के पुत्र व्योम त्यागी ने जो कि केंद्रीय विद्यालय कमला नेहरू नगर के छात्र हैं ने हाईस्कूल में 90% से ज्यादा अंक लाकर जहां स्कूल का नाम रोशन किया है वहीं माता पिता का भी मस्तक गर्व से ऊंचा किया है यहां आपको बताना जरूरी है व्योम त्यागी वो प्रतिभाशाली बच्चा है जो पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी अव्वल है जो माता पिता सोचते है कि बच्चे खेल और पढ़ाई दोनों में अच्छा परिणाम नहीं ला सकते व्योम त्यागी ने ऐसे अभिभावकों के लिए खेल और पढ़ाई दोनों में ही शीर्ष पर रहकर एक नायब उदाहरण पेश किया है। ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट सेकंड डेन 15 वर्षीय व्योम त्यागी देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रतियोगिताओं में 52 से ज्यादा पदक हासिल कर चुके है अभी हाल ही में व्योम ने केवी रीजनल में लगातार तीसरे साल स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल के लिए अपना टिकट पक्का किया है हाईस्कूल में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लाने पर व्योम के माता पिता ने खुशी जाहिर करते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षकों का धन्यवाद किया है और उम्मीद जताई है कि आगे भी वो खेल और पढ़ाई दोनों में अपने देश और प्रदेश का नाम रोशन करेगा।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने की ज्वाइंट कमिश्नर सुजाता सिंह से मुलाकात

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। शुक्रवार को राष्ट्रीय व्यापार मंडल पदाधिकारी जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता के नेतृत्व में सुजाता सिंह ज्वाइंट कमिश्नर (एसआईबीए रेंज) से मोहन नगर उनके ऑफिस मे चाय पर उनके निमंत्रण पर मुलाकात की तथा व्यापारियों की समस्याओं को हल कराने का आग्रह किया। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बाल किशन गुप्ता ने सुझाव रखा कि टैक्स देकर बिल लेने वाले व्यापारी को दोषी न मानकर रिटर्न दाखिल न करने वाले व्यापारी से रिकवरी करनी चाहिए। राष्ट्रीय व्यापार मंडल पदाधिकारी बालकिशन गुप्ता, पंडित अशोक भारतीय, सौरभ यादव, राजीव अग्रवाल, रितेश शर्मा आदि ने अन्य कई समस्याओं पर अपने विचार रखे।गाड़ियों को ना रोककर, ₹1000 के चालान में गाड़ियों को छोड़ा जा सकता है तथा यदि कोई गाड़ी पकड़ी भी जाती है तो उसका वीडियोग्राफि कराने सहित अनेक समस्याओं पर सुजाता सिंह जी का ध्यान आकर्षित करा तथा व्यापारियों की समस्याओं को हल कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर सुजाता सिंह जी ने व्यापारियों की समस्याओं को ध्यान से सुना तथा समस्याओं का संज्ञान लेकर शासन से समस्याओं को हल कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि आप अपने सुझावों को GST COUNCIL को प्रेषित करें।

जन अधिकार मोर्चा ने डीएम को दिया पत्र

हाई कोर्ट के आदेश भी नहीं मान रहे अधिकारी: पं. राजेश शर्मा

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। जन अधिकार मोर्चा द्वारा हिंडन नदी डूबक्षेत्र में भूमाफियाओ द्वारा हो रही अवैध फ्लोटिंग तथा खनन जैसे कार्यों को लेकर जिलाधिकारी को दिया पत्र जन अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. राजेश शर्मा ने बताया पूर्व में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के समक्ष शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। जिसमें ग्राम कनावनी हिण्डन नदी के दोनों तरफ डूब क्षेत्र में भूमाफियाओं द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही हैं जहां नदी के एक तरफ पहले ही भूमाफियाओं द्वारा अवैध रूप से सजवान नगर कॉलोनी बसाई जा चुकी है परंतु गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है तथा पोर्टल पर शिकायत करने पर भी गलत आख्या प्रेषित की जा रही है। उक्त स्थान पर भूमाफिया द्वारा अवैध प्लाटिंग के अलावा अवैध रूप से रोडी डस्ट का कार्य भी किया जा रहा है जिसके कारण क्षेत्रीय जनता को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है तथा ओवरलोड वाहनो के आवागमन के कारण सड़कें गड्ढों में परिवर्तित हो गयी हैं। इस सम्बंध में पूर्व में कलाउड 9 अपार्टमेंट के निवासियों व अन्य व्यक्तियों द्वारा शिकायती प्रार्थना पत्र सक्षम अधिकारियों को दिये गए हैं परंतु अधिकारियों द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही तथा माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष रिट सी संख्या-21575/2024 आशुतोष झा बनाम उत्तर प्रदेश सरकार भी योजित हुआ था जिसमें दिनाक-09/07/2024 को सुनवाई करते हुए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा गुण दोष के आधार पर निस्तारण करने हेतु 06 सप्ताह का समय दिया गया था। जिसकी सुनवाई के उपरांत श्रीमान जिला अधिकारी गाजियाबाद द्वारा दिनांक-06/11/2024 को अपने पत्र संख्या-686/एस0टी0-डी०एम०/2024 दिंनाकिंत 06 नवम्बर 2024 को सचिव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अधीशासी अभियन्ता सिचाई विभाग व खनन अधिकारी गाजियाबाद, को आदेशित किया था परंतु उक्त आदेश का आज दिंनाक तक कोई भी अनुपालन नहीं हुआ है सभी विभागो द्वारा मात्र कागजी कायार्वाही की जा रही है। ओवरलोड वाहनो के चलने से पूर्व में कई दुर्घटनाए होती रही है तथा दिंनाक-02/03/2025 को नो एन्ट्रीं होने के बावजूद ओवरलोड वाहन द्वारा एक बाईल चालक अविनाश कुमार को टक्कर मार दी जिससे अविनाश कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गयी थी जो की अपने घर में कमाने वाला अकेला व्यक्ति था।

10वें राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर एम.बी. गर्ल्स बालिका इण्टर कॉलेज चन्द्रपुरी में किया गया संगोष्ठी का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। शुक्रवार को डेंगू दिवस के रूप में मनाया जाता है इस वर्ष यह 10वाँ राष्ट्रीय डेंगू दिवस के रूप में मनाया गया है। जिसके उपलक्ष्य में समस्त सी०एच०सी० एवं समस्त नगरीय प्रा०स्वा०केन्द्रों पर डेंगू से बचाव हेतु क्या करें क्या न करें की संगोष्ठी आयोजित की गयी। मुख्यालय स्तर पर प्रमुख कार्यक्रम एम०बी० गर्ल्स बालिका इण्टर कॉलेज चन्द्रपुरी में आयोजित किया गया यहाँ पर लगभग 200-250 छात्राओं के साथ-साथ वहाँ अध्यापिका भी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डेंगू से बचाव हेतु छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाये गये। इसमें 05 सबसे अच्छे पोस्टर बनाने वाली छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में पाथ संस्थान की तरफ से डा० अफिशा एवं रिति फाउंडेशन के संचालक ने भी डेंगू से बचाव हेतु अपनी जिम्मेदारी समझते हुए प्रतिभाग किया। विद्यालय के सभागार में उपस्थित छात्राओं एवं सभी स्टाफ को डेंगू से बचाव हेतु जागरूक करते हुए इसमें भागीदारी हेतु शपथ दिलायी गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सर्विलान्स अधिकारी डा० आर०के० गुप्ता, जिला मलेरिया अधिकारी जी०के० मिश्रा, सहायक मलेरिया अधिकारी नरेन्द्र कुमार, एपिडिमियोलोजिस्ट डा० शिवी अग्रवाल, चिकित्साधिकारी डा० रितु वर्मा महाराजपुर प्रथम आदि मौजूद रहे साथ ही जिला मलेरिया अधिकारी गाजियाबाद द्वारा जनमानस को डेंगू से रोकथाम एवं बचाव हेतु अपना अपना सहयोग प्रदान की अपील की गयी।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में तीसरे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के सातवें मॉड्यूल का आयोजन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के पेरियोडोन्टोलॉजी विभाग द्वारा 15 मई और 16 मई को तीसरे एडवांस फेशियल एस्थेटिक्स कोर्स के सातवें मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिनमें निजी दंत चिकित्सक, कॉलेज के पूर्व छात्र, संस्थान के दंत चिकित्सक, एमडीएस के विद्यार्थी और कॉलेज के अध्यापक शामिल थे। यह कोर्स डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान के सहयोग से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य मरीजों के बीच चेहरे के सौन्दर्य चिकित्सा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा चेहरे के सौन्दर्य में वृद्धि की मांग करने वाले रोगियों की प्राथमिक वैकल्पिक लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं रोगी को समग्र उपचार प्रदान करना है। इस पाठ्यक्रम के गेस्ट स्पीकर डॉ आशीष कुमार सिंह एवं डॉ गौरव तिवारी थे। दोनों वक्ता फेशियल एस्थेटिक्स चिकित्सक के साथ-साथ अर्न्तरष्ट्रीय वक्ता भी है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. आशीष एवं उनकी टीम ने कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री के अन्तर्गत चेहरे की सुदंरता को ज्यादा बढाने के लिए विभिन्न विकल्पों के बारे में सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यक्रम के पहले दिन चेहरे पर मौजूद दाग या निशान के सर्जिकल उपचार के बार में बताया गया। जिसमें निशान को हटाकर त्वचा को सावधानीपूर्वक दोबारा जोड़कर सौंदर्य और कार्यात्मक दृष्टिकोण से सुधार लाने की प्रक्रिया सिखाई गई। ग्लूटाथायोन थेरेपी पर भी जानकारी दी गई, जो एक एंटीऑक्सीडेंट उपचार है और इसका उद्देश्य ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करना और मेलेनिन के उत्पादन को अवरुद्ध कर त्वचा को हल्का बनाना है। कार्यक्रम के दूसरे दिन पर प्रतिभागियों को चेहरे की झुर्रियों को चिकना करने और चेहरे की बनावट को सुधारने हेतु वॉल्यूम बहाल करने के लिए फिलर्स के बारे में ज्ञान प्रदान किया गया। इसके साथ ही चेहरे के दागों के नीचे की फाइब्रॉटिक स्ट्रैंड्स की प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे जब इसे चेहरे के फिलर्स के साथ मिलाकर किया जाता है तो इसके परिणाम और भी बेहतर होते है। सभी प्रतिभागियों की परीक्षा ली गई। जिसके बाद सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। अंत में कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों को उनके शैक्षणिक एवं क्लीनिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में सभी प्रतिभागियों को डेक्टोमैक्स इंटरनेशनल एकेडमी और प्रोफी विश्वविद्यालय, उज्बेकिस्तान द्वारा फेशियल एस्थेटिक्स फैलोशिप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिग्री वितरण आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा किय गया। इस अवसर पर आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के सेक्रेट्री भूषण कुमार अरोड़ा एवं संस्थान के निदेशक-प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ सभी डीन्स, एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। डॉ आशीष ने एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य दंत चिकित्सकों के लिये इस तरह के ज्ञानवर्धक मंच के आयोजन के लिये संस्थान को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ फेशियल एस्थेटिक्स उपचार के बारे में ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

यूपी को जल्द ही 152 जीआई टैग उत्पादों वाला राज्य बनाएगी योगी सरकार

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रदेश में जीआई टैग उत्पादों की संख्या को रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाने के कार्य में लायी जा रही है तेजी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ज्योग्राफिकल इंडीकेशंस (जीआई) टैग उत्पादों की वृद्धि के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। देश में 77 जीआई टैग वाले उत्पादों के साथ उत्तर प्रदेश अव्वल है, मगर अब यूपी अपनी इस बढ़त को नए आयाम पर पहुंचाने जा रहा है। दरअसल, सीएम योगी के निर्देश पर एक कार्ययोजना को तैयार किया गया है जिसके जरिए प्रदेश में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या में रिकॉर्ड स्तर के इजाफे की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार वर्ष 2025-26 में 75 अतिरिक्त जीआई उत्पादों को घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से 25 उत्पादों का आवेदन जीआई रजिस्ट्री (चेन्नई) में फाइल

किया जा रहा है जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश जल्द ही देश में 152 जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला पहला राज्य बन जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के जीआई उत्पादों को लोकप्रिय बनाने, जागरूकता फैलाने तथा इसके यूजरबेस को बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए जाएंगे। एमएसएमई विभाग द्वारा तैयार की जा रही कार्ययोजना में जीआई टैग वाले उत्पादों की संख्या बढ़ाने के साथ उनकी लोकप्रियता, जागरूकता और ऑथोराइज्ड यूजर बेस बनाने के लिए एक विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम चल रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में जीआई टैग उत्पादों का ऑथोराइज्ड यूजर बेस बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक उद्यमियों को जोड़ने की तैयारी है। इन्हें बाकायदा ऑथोराइज्ड यूजर्स के तौर पर पहचान दी जाएगी। ये जीआई उत्पादों के उत्पादन के साथ ही उनको लोकप्रिय बनाने और अन्य उद्यमियों में जागरूकता प्रसार करने का माध्यम बनेंग। उल्लेखनीय है कि देश में उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जीआई टैग प्राप्त उत्पादों वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और महाराष्ट्र सबसे ज्यादा जीआई उत्पादों वाले राज्यों में शामिल हैं। एमएसएमई विभाग द्वारा प्रदेश में जीआई ऑथोराइज्ड यूजर्स का बेस बढ़ाने के जिस कार्य योजना पर कार्य जारी है उसमें जीआई एक्सपर्ट संस्था के साथ एमओयू अहम कड़ी साबित होगी। विभाग द्वारा इस दिशा में एक विशिष्ट जीआई एक्सपर्ट संस्था ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा एमओयू साइन करने की प्रक्रिया पर काम चल रहा है जिसे जल्द ही पूरा करने की तैयारी है। इस एमओयू के बाद प्रदेश में जीआई उत्पादों के ऑथोराइज्ड यूजर बेस में वृद्धि हो सकेगी। साथ ही, जीआई उत्पादों की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। स्थानीय उत्पादों की विशिष्ट पहचान की रक्षा हो सकेगी तथा उत्पादों के अनधिकृत उपयोग या नकल से बचाव होगा। विपणन क्षमता और निर्यात में वृद्धि के साथ ही ग्रामीण विकास और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण को भी बढ़ावा देने में यह कदम सहायक सिद्ध होगा।

इटवा संगठन ने भारत सरकार और व्यापारियों से तुर्की और अजरबैजान का बहिष्कार करने की मांग उठाई

एहसान फरामोश निकला तुर्की: प्रिन्स कंसल

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर मैं पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की और अजरबैजान ने खुद के पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। दोनों देशों के खिलाफ हुए बहिष्कार की अपील का बुरा असर पड़ सकता है तुर्की और अजरबेजान पर। इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रिंस कौंसिल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि तुर्की ने भारत पर हमले के लिए पाकिस्तान को 300 से अधिक ड्रोन सहित अपने सैनिक भी भेजे। भारत से पंगा लेना दोनों ही देशों को भारी पड़ सकता है। इसका असर भी दिखने लगा है। भारत में तुर्की और अजरबैजान बॉयकॉट की मांग उठने लगी है। इसके लिए देश के प्रमुख व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठन इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन (इटवा) ने देश के

नागरिकों से दोनों देशों का बहिष्कार करने की अपील की है। इटवा के राष्ट्रीय महामंत्री प्रिन्स कंसल ने यह भी बताया है कि तुर्की और अजरबैजान को जाने वाले पर्यटकों ने तेजी से अपना ट्रिप कैंसिल करते हुए दोनों देशों में जाने से इनकार कर दिया है। ऐसा लगता है कि इन दोनों देशों का भी वही हाल होने वाला है, जो मालदीव का हुआ था। प्रिन्स कंसल ने कहा कि सूत्रों से मिली जानकारी में भारत से तुर्की और अजरबैजान के लिए की गई 50% हवाई बुकिंग रद्द हो गई हैं। इंडस्ट्रीज एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रिन्स कंसल ने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब तुर्की में भूकंप आया था, तो भारत देश ने उस दुख की घड़ी में वहां बहुत मदद की थी। हमने अपने डॉक्टर, डॉग स्क्वॉड और मेडिकल स्क्वॉड भी भेजे थे। हमने इसे "ऑपरेशन दोस्त" नाम दिया था। हम सोच भी नहीं सकते थे कि तुर्की एहसान फरामौसी दिखाते हमारे दुश्मन का साथ देगा। इसी कारण एसोसिएशन ने तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार की व्यापारियों से अपील की है।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू ने अपने जन्मदिन पर दिया स्वच्छता और पौधारोपण का अहम संदेश

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। शुक्रवार को सरस्वती शिशु मंदिर नेहरू नगर गाजियाबाद में क्षेत्रीय संगठन मंत्री डोमेश्वर साहू का जन्मदिन मनाया गया। विद्या भारती के शैक्षिक प्रभारी महेश चंद शर्मा, दुर्गावती हेमराज शाह सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन राठी एवं विद्यालय के सर्वव्यवस्थापक प्रमुख योगेश कुमार एवं श्री राम जी ने उनको पटका पहनाकर और जन्मदिन का कार्ड देकर उनको जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रदान की। क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने छात्रों को अपने जन्मदिन पर स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि हमें अपने हर जन्मदिन पर पेड़ लगाने चाहिए। प्लास्टिक को जीवन से दूर करें। जन्मदिन पर केक न काटकर दीपक जलाएं और डोमेश्वर साहू ने विद्यालय प्रांगण में अशोक का पेड़ लगाया। विद्यालय के सर्व व्यवस्थापक प्रमुख योगेश जी ने अतिथियों का आभार प्रकट किया।

अखण्ड भारत मिशन द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

छात्रों को सतत विकास, तकनीकी समाधान और भारतीय संस्कृति से मिली पर्यावरणीय प्रेरणा

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखंड भारत मिशन के प्रोजेक्ट वाटिका द्वारा जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत एक विशेष पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब ग्रेटर नेक्स्ट, जेडब्ल्यूसी सोल्यूशन और 30 डेज टेक्नोलॉजिस्ट ने सहयोगी भूमिका निभाई। यह आयोजन 30 डेज प्लांटेशन अवेयरनेस प्रोग्राम की प्रथम कड़ी था, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों व समुदाय को पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूक करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक आह्वान 'एक पेड़ माँ के नाम' को केंद्र में रखते हुए छात्रों को अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर अरविंद भाई ओझा (प्रांत प्रमुख, विद्या भारती पर्यावरण विभाग) ने भारतीय संस्कृति में प्रकृति की महत्ता पर प्रकाश डाला, माता सीता को प्रकृति और

भगवान हनुमान को उनके रक्षक के रूप में प्रस्तुत कर पर्यावरणीय संवेदनशीलता का संदेश दिया। तारक नंदन सहाय (संस्थापक, जेड डब्ल्यू सी) ने सतत विकास को एक उभरते करियर क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए नवाचार और ग्रीन उद्यमिता के लिए युवाओं को प्रेरित किया। प्रो. राजपाल त्यागी (पर्यावरण विशेषज्ञ) ने वायु प्रदूषण के खतरों और वृक्षारोपण की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए छात्रों को पर्यावरणीय आदतें अपनाने की अपील की। यह 30 दिवसीय वृक्षारोपण जागरूकता अभियान अश्वनी शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष अखंड भारत मिशन के नेतृत्व में संचालित हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में वरुण गौड़ (निदेशक) और रोहित आर्य (सीटीओ, 30डेज, टेक्नोलॉजिस) द्वारा सभी वक्ताओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियाँ और प्रश्न-उत्तर सत्र ने आयोजन को संवादात्मक एवं प्रभावशाली बनाया। इस अवसर पर उपस्थित रहे लोगों में अरविंद भाई ओझा (मुख्य वक्ता), तारक नंदन सहाय (विशेष वक्ता), राजपाल त्यागी (विशेष वक्ता), पवन योगी, गजेन्द्र शर्मा, नवीन पंचाल, राजीव कुमार, वरुण गौड़, रोहित आर्य, विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। आगामी योजना के विषय में उन्होंने बताया कि अगले 30 दिनों तक विभिन्न विद्यालयों और समुदायों में वृक्षारोपण, कार्यशालाएं एवं इको-फ्रेंडली गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। प्रोजेक्ट वाटिका समाज में पर्यावरणीय चेतना को और अधिक प्रखर करने हेतु इस अभियान को जनांदोलन के रूप में विस्तारित करेगा।

दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सफल टैलेंट स्काउटिंग इवेंट ने पूरे भारत से छात्रों को आकर्षित किया

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ने 6 और 7 मई, 2025 को त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना वार्षिक टैलेंट स्काउटिंग इवेंट सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस वर्ष के आयोजन में भारत भर के 10 से अधिक राज्यों से प्रभावशाली भागीदारी देखी गई, जो दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल की तेजी से बढ़ती मान्यता को दशार्ता है। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 6वीं से 9वीं और 11वीं के छात्रों के लिए परीक्षण आयोजित करना था। पहले दिन बॉक्सिंग, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती के लिए लेवल 1 और लेवल 2 टेस्ट पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जबकि दूसरे दिन तीरंदाजी, शूटिंग, टेबल टेनिस और लॉन टेनिस के लिए टेस्ट शामिल थे। दोनों दिन एथलेटिक्स और बैडमिंटन के ट्रायल आयोजित किए गए, जिन्हें कक्षा-वार विभाजित किया गया-कक्षा 6, 7 और 11 के लिए पहला दिन और कक्षा 8 और 9 के

लिए दूसरा दिन। युवा खेल प्रेमियों ने इन सभी विषयों में अपने कौशल का प्रदर्शन बड़े उत्साह के साथ किया। प्रतिभागियों ने एक व्यापक मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरा जिसमें उन्नत उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके आयोजित 11 मोटर गुणवत्ता परीक्षण शामिल थे, साथ ही खेल-विशिष्ट मूल्यांकन भी किए गए। इस कठोर दृष्टिकोण का उद्देश्य भारत में खेलों के मानक को बढ़ाने के दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के मिशन के अनुरूप उभरती हुई खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उनका पोषण करना था। सकारात्मक माहौल को और

बढ़ाते हुए, कई छात्रों के साथ उनके माता-पिता या अभिभावक भी थे, जिन्होंने ट्रायल देखा और प्रतिभागियों के लिए किए गए सुचारू संचालन और विचारशील व्यवस्थाओं की सराहना की। सुव्यवस्थित प्रक्रिया और एथलीट-अनुकूल वातावरण की सभी उपस्थित लोगों ने व्यापक रूप से प्रशंसा की। यह कार्यक्रम युवा एथलीटों के लिए अपनी क्षमता दिखाने के लिए एक मंच और प्रतिष्ठित दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल में प्रवेश पाने का मार्ग दोनों के रूप में कार्य करता है। स्कूल एक एकीकृत कार्यक्रम प्रदान करता है जिसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवासीय सुविधाएँ और विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना तक पहुँच शामिल है - इन सभी का उद्देश्य भारत में खेल आइकन की अगली पीढ़ी का पोषण करना है। दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी युवा एथलीटों को समर्थन और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने चुने हुए खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन प्राप्त हों।

समर कैंप से होता है बच्चों का सर्वांगीण विकास: विनोद वैशाली

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल में15 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर विनोद वैशाली ने समर कैंप को वर्तमान समय में बच्चों के लिए एक जरूरी गतिविधि बताया। शुक्रवार को प्रतिष्ठित छाया पब्लिक स्कूल में 15 दिवसीय समर कैंप का उद्घाटन करने के पश्चात बच्चों को संबोधित करते हुए पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने कहा कि बच्चों के लिए समर कैंप एक आवश्यक गतिविधि है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा पूरे साल पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ नया करने के लिए समर कैंप का आयोजन सभी विद्यालयों के लिए नितांत आवश्यक है इसमें जहां बच्चे अपने रुचि के अनुसार उस विषय में पारंगता हासिल करते है वही दूसरी तरफ पूरे वर्ष मैं मिले पढ़ाई के बोझ को हल्का भी महसूस करते हैं जिससे जीवन में एक नए पन का एहसास भी मिलता है। विनोद वैशाली ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में समर कैंप बच्चों मैं

हल्कापन लाने के लिए एक विशेष आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा आज मुझे देखकर काफी प्रसन्नता हो रही है कि इस कैंप के माध्यम से बच्चे अलग-अलग खेलों में नई-नई भाषाओं का ज्ञान संगीत नृत्य नाटिका आदि गतिविधियों का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। इस अवसर पर मौजूद रहे विद्यालय प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी द्वारा मुख्य अतिथि विनोद वैशाली को पटका माला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ०अरुण त्यागी ने समर कैंप की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि इस समर कैंप के दौरान बच्चों को तीन आउटडोर गतिविधियों के साथ रोबोटिक्स सहित विभिन्न खेल, संगीत, गायन, नृत्य, नाट्य मंचन आदि विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र चलाना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कला, पुस्तक कला, वेस्ट मटेरियल से कुछ नई चीज तैयार करना व अन्य नई तकनीकियों से बच्चों को उच्च स्तर पर प्रशिक्षित किया जाएगा। समर कैंप के अंतिम दिन कैंप फिनाले में बच्चों द्वारा सिखी गई गतिविधियों का प्रदर्शन अभिभावकों के सामने किया जाएगा कार्यक्रम को सफल बनाने मैं लगे विभिन्न विषय विशेषज्ञों के साथ विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

काईट में हुआ एआई समिट का सफल आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में स्थित काईट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सीएसई (एआई व एआई एमएल) विभाग ने 'शिक्षा और जनरेटिव एआई समागम' थीम पर आधारित सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर हो रहे विकास से अवगत करवाना था। कार्यक्रम की थीम एस०डी०जी 4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), एस०डी०जी 8 (उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक विकास) और एस०डी०जी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) के सिद्धांतों के अनुरूप है जो छात्रों में शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में कुछ नया करने के लिए प्रेरित करता है। इस सम्मेलन में एआई, एआई एवं एमएल तथा अन्य कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग शाखाओं के लगभग 500 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि डॉ. नलिन कुमार श्रीवास्तव (निदेशक-ए आई मिशन एवं वैज्ञानिक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार), विशिष्ट अतिथि, डॉ.डी.पी. सिंह (प्रमुख, ए०डब्ल्यू०एस स्किल्स, ए०डब्ल्यू०एस) की उपस्थिति द्वारा बढ़ाई गई। इसके साथ ही विविध क्षेत्रों से जुड़े 15 प्रेरणादायक वक्ताओं ने अपनी विशिष्ट दृष्टिकोणों से विषय को प्रस्तुत किया। इनमें डॉ. संदीप कुमार (प्राध्यापक, आईआईटी, दिल्ली), डॉ. हिमांशु कुमार (संस्थापक, टैक्सबोटजीपीटी.एआई), अभिषेक गुप्ता (कॉर्पोरेट हेड, डिश टीवी), अजय सिंह (सह-संस्थापक, डी26 वेंचरस), डॉ.रणजीत सिंह (फोरेंसिक एक्सपर्ट एवं संस्थापक, सिफ्स), वेंकटेश नीलम (टीए लीडर, एटलसियन), मयूर गर्ग (स्पेशलाइज्ड मास्टर, डेलोइट), चेतन पवार (कंप्यूटर वैज्ञानिक, एडोबी), सूरज शुक्ला (वरिष्ट सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट), श्रीमती दीपिका अमन (सीएसएम लीडर, आईबीएम), प्रवीण पोद्दार (विशेषज्ञ- डाटा एवं ए आई, ए०डब्ल्यू०एस), विषु मुदगल (संस्थापक, एप्सिलोन क्रिएटिव एजेंसी), सिद्धार्थ सहगल (संस्थापक, 360 डिग्री क्लाउड टेक्नोलॉजीज), कुमार सत्यम (संस्थापक, सीईक्यूयू) और रजत वधवा (प्रमुख- ग्राहक उत्पाद, हीरो फिनकोर्प) शामिल थे।

उद्घाटन समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसे मुख्य अतिथि डॉ. नलिन कुमार श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि, डॉ. डी.पी. सिंह ने राघव गर्ग (सम्मानित अतिथि वक्ता, सामाजिक उद्यमी और युवा आइकन), डॉ. मनोज गोयल (संयुक्त निदेशक-काईट), डॉ. आदेश पांडेय (निदेशक, अकादमिक-काईट), डॉ. रेखा कश्यप (डीन, सीएसई-ए आई एवं सीएसई-ए आई एम एल) तथा डॉ.अभिनव जुनेजा (निदेशक -कॉर्पोरेट रिलेशंस एंड प्लेसमेंट सेंटर, काईट) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न किया। दीप प्रज्वलन के बाद डॉ. रेखा कश्यप ने सभी श्रोतागण को कार्यक्रम के प्रयोजन से अवगत करवाया और सभी आमंत्रित विशिष्टगण का स्वागत किया। डॉ. आदेश पांडेय ने अपने अभिभाषण में काईट संस्थान द्वारा आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस को छात्रों में बढ़ावा देने हेतु संसथान द्वारा किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। मुख्य अतिथि डॉ. नलिन कुमार श्रीवास्तव ने छात्र प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व और इस क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर गहन जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हम जो कुछ भी सोच सकते हैं, वह सब एआई द्वारा ही किया जा रहा है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम एआई का उपयोग मानवता की सेवा में करते हैं या इसके गुलाम बन जाते हैं।

48 पीपीएस अफसरों के तबादले, एएसपी राहुल श्रीवास्तव फिर बने डीजीपी मुख्यालय के पीआरओ

लखनऊ। डीजीपी मुख्यालय ने शुक्रवार को एडिशनल एसपी रैंक के 48 अफसरों का तबादला कर दिया। डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध चल रहे राहुल श्रीवास्तव को डीजीपी का जनसंपर्क अधिकारी बनाया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात सुबोध कुमार श्रीवास्तव को 35वीं वाहिनी पीएसी, लखनऊ भेजा गया है। वाराणसी कमिश्नरेट में तैनात ममता रानी चौधरी को लखनऊ कमिश्नरेट भेजा गया है। लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात मनीषा सिंह को नोएडा कमिश्नरेट भेजा गया है। इसी तरह फिरोजाबाद में एएसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया को अमरोहा भेजा गया है। अमरोहा में तैनात राजीव कुमार सिंह द्वितीय को मथुरा का एएसपी सिटी बनाया गया है। बरेली में एएसपी एलआईयू प्रभात कुमार प्रथम को पुलिस मुख्यालय में तैनात किया गया है। झांसी के एएसपी ग्रामीण गोपीनाथ सोनी को बरेली एलआईयू भेजा गया है। मथुरा के एएसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार को झांसी का एएसपी ग्रामीण बनाया गया है। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में तैनात राजेश कुमार श्रीवास्तव को संभल का एएसपी उत्तरी बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय में तैनात रंजन सिंह को वाराणसी कमिश्नरेट भेजा गया है। आगरा कमिश्नरेट में तैनात डॉ. राजीव कुमार सिंह को मेरठ का एएसपी एलआईयू बनाया गया है। प्रतीक्षारत चल रहे राम अर्ज को अयोध्या का एएसपी एलआईयू बनाया गया है।

सीतापुर में तैनात डॉ. प्रवीण रंजन सिंह को नोएडा पुलिस कमिश्नरेट भेजा गया है। प्रतापगढ़ में एएसपी पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह को सीतापुर में एएसपी दक्षिणी बनाया गया है। आजमगढ़ के एएसपी सिटी शैलेंद्र लाल को प्रतापगढ़ का एएसपी पूर्वी बनाया गया है। बाराबंकी में एएसपी दक्षिणी अखिलेश नारायण सिंह को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। कुशीनगर में तैनात रितेश कुमार सिंह को बाराबंकी का एएसपी दक्षिणी बनाया गया है। सीआईडी मुख्यालय में तैनात निवेश कटियार को कुशीनगर भेजा गया है।

सम्पादकीय

भारत का कूटनीतिक प्रयास

भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान ने लौटा दिया है और स्वाभाविक ही इसे भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम साव तेईस अप्रैल को गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे और वहां उन्हें पकड़ लिया गया था। सीमा पार किन्हीं हालात में अगर अन्य देश के जवान को पकड़ लिया जाता है तो उसके जीवन तक को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। यही वजह है कि पूर्णम साव की वापसी को लेकर उनके परिवार सहित देश के लोगों की चिंताएं गहरा रही थीं। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच किस स्तर का टकराव हुआ, यह दुनिया ने देखा। लेकिन अब बुधवार को जब पूर्णम साव की पाकिस्तान से रिहाई की खबर आई, तो निश्चित तौर पर यह उनके परिवार वालों के साथ-साथ समूचे देश के लोगों के लिए राहत की बात थी। दोनों देशों के डीजीएमओ स्तर पर हुई बातचीत के नतीजे में बीस दिनों के बाद पूर्णम शा को छोड़ा गया।

दरअसल, जिन परिस्थितियों में बीएसएफ के जवान गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे, वे इतनी ज्यादा संवेदनशील थीं कि उनके कारण दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आई। पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस लोगों के मारे जाने के बाद भारत के पास एक तरह से जवाबी कार्रवाई करना अंतिम विकल्प था। इस टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे दोनों देशों के बीच पूर्ण संघर्ष के तौर पर भी देखा गया। ऐसे में अगर बीएसएफ जवान की सुरक्षा और जान को लेकर भारत में चिंता गहरा रही थी, तो यह लाजिमी था। यों भी पाकिस्तान के अतीत और उसकी प्रकृति अक्सर उसके विवेक आधारित फैसले नहीं लेने के ही सूचक रहे हैं। हालांकि इस बीच उम्मीद जरूर की जा रही थी कि तमाम विपरीत हालात के बावजूद भारत के लगातार कूटनीतिक प्रयासों से जवान की वापसी सुनिश्चित हो सकेगी। मगर जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हुई तब यह उम्मीद और मजबूत हुई कि अब शायद माहौल शांत होने के बाद इस मसले पर कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी गलती से जवानों के सीमा पार कर जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगर युद्ध या तनाव की स्थिति न हो तो रिहाई में ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। मगर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जिस तरह का हमला किया था, उसे एक तरह से सीधा संघर्ष मान लिया गया था। पाकिस्तान पहले ही अवांछित गतिविधियों के अंजाम देने से लेकर आतंकवादियों को शह और समर्थन देकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में वहां पकड़ लिए गए बीएसएफ जवान के प्रति उसके व्यवहार या रिहाई को लेकर आशंका बनी हुई थी, क्योंकि इसके लिए शुरू होने वाली प्रक्रिया काफी संवेदनशील और जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय कानून और सैन्य संधियों के तहत अगर कोई जवान गलती से सीमा पार कर जाता है तो उसके खिलाफ ज्यादा गंभीर कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि यह दोनों देशों के बीच संवाद और समझौते पर निर्भर करता है। इस लिहाज से देखें तो बीते कुछ दिनों के दौरान तेजी से बदलते घटनाक्रम में जवान की रिहाई के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए थे और आखिर इसमें कामयाबी मिली।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : **अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक : **राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार : राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो. : 9810149213
फोन : 0120-4113213
E-mail : hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

अभी बयानबाजी की नहीं बल्कि राजनेतृत्व की जरूरत

डॉ. अरुण मित्रा

कभी भी देर नहीं होती। युद्ध विराम अभी भी जारी है, भले ही कमजोर आधार पर, लेकिन हम इसे मजबूत बना सकते हैं। दोनों देशों को इसके लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। पाकिस्तान के लिए सेना को मनाना एक बड़ा काम है। नागरिक सरकार और नागरिक समाज को अच्छे पड़ोसी संबंधों के लिए जोरदार आवाज उठानी होगी। युद्ध दुख और मौतें लेकर आता है। पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवाने ने पुणे में कॉस्टअकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'युद्ध न तो रोमांटिक है और न ही कोई बॉलीवुड फिल्म।' उन्होंने कहा कि 'कूटनीति उनकी पहली पसंद होगी, 'सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में सदमा है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने गोलाबारी देखी है और जिन्हें रात में आश्रयों की ओर भागना पड़ता है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके लिए यह सदमा पीढ़ियों तक रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने भयानक दृश्य देखे हैं, उनमें पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीडीएस) है, जो 20 साल बाद पसीने से तरबतर हो उठते हैं और उन्हें मनोचिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता होती है। युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, कूटनीति को आगे बढ़ना चाहिए। यही कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का न केवल शांति कार्यकताओं बल्कि पूरे देश के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग इस घोषणा से बहुत राहत महसूस कर रहे थे। पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर हमला करने का निर्णय लेने के तुरंत बाद, यह महसूस किया गया कि पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और यह बालाकोट की पुनरावृत्ति नहीं होगी। इसलिए सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों को खाली करवा दिया गया और लोगों को अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया। ऐसे शिविरों में जीवन हमेशा दयनीय होता है। यह मैं 1965 के युद्ध के दौरान एक किशोर के रूप में अपने अनुभव से कह सकता हूं जब हमारे स्कूल खाली करवा दिये गये थे, कक्षाएं बंद कर दी गयी थीं और सीमा से सटे गांवों के लोगों को हमारे स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था। हम उनके लिए भोजन एकत्र कर रहे थे और उन्हें इन नये तथाकथित घरों में आपूर्ति कर रहे थे। कोई गोपनीयता नहीं, कोई पसंद का भोजन नहीं, कोई उचित आश्रय नहीं, कोई काम नहीं और बच्चों के लिए स्कूल के दिनों का नुकसान, मैं महसूस कर सकता था कि युद्ध कितना भयानक है। यह सर्वविदित तथ्य है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में शरणार्थी शिविर में जीवन बहुत कठिन है, चाहे वह क्षेत्र कितना भी विकसित क्यों न हो। इसलिए जब युद्ध विराम हुआ, तो लोगों ने राहत की सांस ली। इस पृष्ठभूमि में सोमवार रात प्रधानमंत्री के भाषण से बहुत कुछ अपेक्षित था। एक महत्वपूर्ण सवाल जो लोगों के मन में पहले से ही आ रहा था, वह यह था कि हमारे प्रधानमंत्री के भाषण से कुछ मिनट पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कैसे की? यह आश्चर्यजनक था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते की घोषणा की और दोनों देशों को युद्ध विराम के लिए सहमत होने के लिए मजबूर किया, जबकि उन्होंने धमकी दी कि अगर वे युद्ध नहीं रोकेंगे तो वे व्यापार नहीं करेंगे। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बोलने वाले नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा कही गयी बातों का खंडन करने में विफल रहे। इससे पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान के मामलों में ट्रंप का स्पष्ट हस्तक्षेप और द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने की हमारी समझ पर उनका हावी होना हमारे नेतृत्व द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। द्विपक्षीय वार्ता से मुद्दों के सुलझाने की समझ शिमला समझौता1972 से बनी थी। लेकिन दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इस बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। उनका पूरा भाषण पाकिस्तान की आलोचना करने और यह बताने पर केंद्रित था कि भारत भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर बल का प्रयोग करता रहेगा। इस समय उन्हें युद्ध विराम को मजबूत करने के बारे में बात करनी चाहिए थी और शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता को स्पष्ट शब्दों में व्यक्त करना चाहिए था। हमेशा की तरह भारतीय सेना ने 7 मई को पहले ही दिन आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर बेहतरीन काम किया। जैसा कि प्रेस काफ्रेंस में प्रधान सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि हमारा काम केवल आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाना था और हमारा इरादा नागरिकों को मारना या पाकिस्तान के सैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाना नहीं है। हालांकि 7 मई के बाद पाकिस्तान द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई ने स्थिति को और खराब कर दिया। प्रधानमंत्री अगर भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्ध विराम से शुरू करके दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति को मजबूत करने की बात करते तो वे दक्षिण एशिया के एक बड़े नेता के रूप में आगे बढ़ते। लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। बयानबाजी से भरा उनका भाषण केवल अंधभक्ति पैदा करके अपने चुनावी आधार को मजबूत बनाने के लिए था।

उन्हें सार्क को मजबूत करने की बात करनी चाहिए थी ताकि सभी दक्षिण एशियाई देश मिलकर उन मुद्दों को सुलझा सकें जहां भारत पाकिस्तान पर आतंकवादी तंत्र को तोड़ने के लिए दबाव डाल सकता था। जहां भारत आजादी के बाद धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश के रूप में विकसित हुआ, वहीं पाकिस्तान लंबे समय तक एक धर्मशासित राज्य के रूप में सेना के शासन में रहा। सेना के अधिकारी बड़े कारोबार को नियंत्रित करते हैं और वे पाकिस्तान में बड़े भू-स्वामी हैं। इसलिए हमें अर्ध-लोकतांत्रिक राज्य के साथ मामलों में सावधानी से आगे बढ़ना होगा। 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में ताजमहल होटल पर हुए हमले के दौरान भारत ने सफलतापूर्वक हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता के सुबूत दिये थे। इसलिए जब कसाब को मौत की सजा सुनाई गयी और उसे फांसी दी गयी, तो दुनिया में कहीं भी कोई शोर-शराबा नहीं हुआ। वर्तमान भारतीय सरकार को भी अब ऐसा ही करना चाहिए था और पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों को मारने वाले आतंकवादियों के बारे में पाकिस्तान को सुबूत देने चाहिए थे। इससे हमारी विश्वसनीयता बढ़ती और भारत की स्थिति मजबूत होती।

बहरहाल, कभी भी देर नहीं होती। युद्ध विराम अभी भी जारी है, भले ही कमजोर आधार पर, लेकिन हम इसे मजबूत बना सकते हैं। दोनों देशों को इसके लिए जिम्मेदारी से काम करना चाहिए। पाकिस्तान के लिए सेना को मनाना एक बड़ा काम है। नागरिक सरकार और नागरिक समाज को अच्छे पड़ोसी संबंधों के लिए जोरदार आवाज उठानी होगी। भारत को सार्क को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। किसी भी परिस्थिति में बातचीत की प्रक्रिया जारी रखनी चाहिए। दक्षिण एशिया को साझा सुरक्षा प्रणाली विकसित करनी चाहिए। दक्षिण एशियाई देशों की संयुक्त बैठकों के माध्यम से पाकिस्तान को अपने परमाणु सिद्धांत के रूप में परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल न करने के लिए राजी करना चाहिए।

कृपया हमें लुप्त होने से बचा लो पुकार रही है जंगलों में लुप्त होती प्रजातियां: भारत भूषण गर्ग पर्यावरणविद्

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। गंगा नेचुरल फार्म पर लोक भारती के तत्वाधान में प्रत्येक वर्ष की भांति लुफ्त प्रायःप्रजाति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसे प्रतिवर्ष मई के तीसरे शुक्रवार को मनाया जाता है।इस कार्यक्रम में पर्यावरण बचाओ अभियान से जुड़े अनेकों समाजसेवियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दिन हम संकटग्रस्त और लुप्तप्रायःप्रजातियों की रक्षा के लिए कार्य करतें हैं। यह वैश्विक दिवस डेविड रॉबिन्सन और लुप्तप्राय प्रजाति गठबंधन द्वारा 2006 में इन संकटापन्न प्रजातियों के संरक्षण हेतु स्थापित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे पृथ्वी ग्रह से लगातार कई जीवों की प्रजातियां लगातार लुप्तप्रायः हो रही है। शायद इतिहास में विलुप्त होने के बारे में सबसे पहले और सबसे अधिक ज्ञात विलुप्तियों में से एक डायनासोर की विलुप्ति है। मॉरीशस का डोडो और उत्तराखंड की ब्लू माउंटेन क्वेल इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। लुप्तप्रायः प्रजाति वह है जो आज भी दुनिया में है, लेकिन अगर समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो यह अधिक समय तक अस्तित्व में नहीं रह पाएगी। अंतरर्राष्ट्रीय संघ प्रकृति के संरक्षण के लिए 'लुप्तप्राय' की स्थिति तय करता है। क्व्रउठ के अनुसार दुनिया भर में कम से कम 40% जानवर, कीड़े और पौधे विलुप्त होने के कगार पर हैं। लोक भारती के क्षेत्र सहसंयोजक ने बताया कि मूल रूप से राष्ट्रीय लुप्तप्रायः प्रजाति दिवस लोगों को उन पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में अधिक जानने में मदद करने के लिए मनाया जाता है जिनका हमारा ग्रह आज सामना कर रहा है। हमारे सम्मुख पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने और प्राकृतिक दुनिया की रक्षा के लिए रचनात्मक व भिन्न भिन्न तरीके खोजने के लिए एक साथ विचार मंथन करने हेतु प्रेरित करता है।

उन्होंने विस्तार से अवगत कराते हुए बताया कि लुप्तप्राय प्रजाति वह जीव है, जिसे विलुप्त होने का खतरा सामने है क्योंकि उनकी संख्या इतनी न्यूनतम हो गयी है कि उनके अस्तित्व का संकट आ गया है। प्रजातियां के लुप्तप्राय होने के कारण प्राकृतवास में कमी और आनुवंशिक विविधता की क्षति है। प्राकृतवास का समाप्त होना या निवास स्थान का नुकसान स्वाभाविक रूप से भी हो सकता है। मानव गतिविधि भी निवास स्थान के नुकसान में योगदान करतीं है। आवास, उद्योग और कृषि के विकास से देशी जीवों का आवास कम हो जाता है। आनुवंशिक भिन्नता एक प्रजाति के भीतर पाई जाने वाली विविधता है। यही कारण है कि मनुष्य के बाल सुनहरे, लाल, भूरे या काले हो सकते हैं। आनुवंशिक भिन्नता प्रजातियों को पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों के अनुकूल ढलने की अनुमति देती है। आमतौर पर, किसी प्रजाति की जनसंख्या जितनी अधिक होगी, उसकी आनुवंशिक विविधता उतनी ही अधिक होगी। पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग ने बताया कि आज विश्व के 10 सबसे लुप्तप्रायः प्राणी जावन गैंडे, अफ्रीकी वन हाथी, अमूर तेंदुआ, बसुंडा द्वीप बाघ, माउंटेन गोरिल्ला, अपानुली ओरांगुटान, ओरंगुटान सुमात्राण, यांग्त्जी फिनलेस, पोरपोइज हॉक्सबिल कछुए व काले गैंडे प्रमुख हैं। साथ ही हमारे देश में प्रमुख रूप से 10 प्रजातियां लुप्तप्रायः हो रही जिनमें हिम तेंदुआ, संगई मणिपुरी हिरण, एशियाई शेर,बाघ या टाइगर, नीलगिरि थार, कश्मीरी रेड स्टैग, एक सींग वाला गैंडा, शेर-पूंछ वाला मकॉक, देदीप्यमान वृक्ष मेंढक, गौड़वण पक्षी या बस्टर्ड। गंगा सेवक मूलचंद आर्य ने बताया कि हमने अनुभव किया है कि हमारे समीपवर्ती क्षेत्र, राज्य और देश में बहुत सी वन्य एवं वानस्पतिक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं और कई प्रजातियां पूर्व में हीं विलुप्त हो चुकीं हैं। एक बार जो प्रजाति हमारे ग्रह से विलुप्त हो जाती है, उसे फिर वापस नहीं लाया जा सकता है।अतःयह श्रेयष्कर है कि हम ऐसी संकटापन्न प्रजातियों के प्राकृतवास समाप्त न होने दें। यदि विकास आदि के विभिन्न प्रोजेक्ट के कारण ऐसा हो रहा है तो कृपया उनका पुरजोर विरोध करें और उनके संरक्षण में अपनी सक्रियता सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सुरेश चंद शर्मा, मूलचंद आर्य, विनोद कुमार लोधी, पुनीत कुमार, गिरीश कुमार चौहान, यथार्थ भूषण आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

10वीं की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, स्कूल जाने के लिए निकली थी

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में शुक्रवार को 10वीं की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। छात्रा सुबह 7 बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। रास्ते से आरोपी से अपने साथ कार में बैठा ले गए। मामले में पीड़िता के सोशल मीडिया दोस्त और उसके दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया है। घटना कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव की है। यहां की 14 वर्षीय छात्रा अपने माता-पिता के साथ शहर में रहती है। वह 10वीं में पढ़ाई कर रही है। पीड़िता की मां के मुताबिक, शुक्रवार सुबह वह स्कूल जाने के लिए निकली थी। अमहट पार्क के पास धम्मौर के मनियारपुर निवासी अंकित गुप्ता मिला।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-एल-632, संजयनगर, गाजियाबाद के अभिलेखों में कार्यालय पत्रांक- 146/भवन अनुभाग / 2004 दिनांक 27.10.2004 के अनुसार श्री शशि गोपाल गौड पुत्र स्व०श्री कन्हैया लाल गौड का नाम दर्ज किया गया था। तत्पश्चात आवंटी / पट्टेदार द्वारा भवन का विक्रय विलेख श्रीमति सीता जैन पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार जैन को दिनांक 09.06.2005 को निष्पादित कराया गया है, तत्पश्चात श्रीमति सीता जैन पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार जैन द्वारा अपने पुत्र श्री विकास जैन पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जैन को पंजीकृत वसीयत दिनाक 03.02.2016 को निष्पादित कराई गई है। तत्पश्चात श्रीमति सीता जैन पत्नी श्री वीरेन्द्र कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 27.08.2022 को हो जाने के पश्चात आवेदक श्री विकास जैन पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जैन द्वारा पंजीकृत वसीयत के आधार पर भवन के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु प्रार्थना की गयी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें। अन्यथा भवन के अभिलेखों में आवंटी / पट्टेदार श्री शशि गोपाल गौड पुत्र स्व० श्री कन्हैया लाल गौड के स्थान पर आवेदक/आवेदिका आवेदक श्री विकास जैन पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार जैन का नाम दर्ज कर लिया गया जायेगा। तदोपरान्त कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

Name Change

I Roshan Aara W/o Khalil Ahmad, R/o H.No.1, Kaila Chowk, Ghaziabad, UP have changed my name to Roshan Ara Parveen for all future purposes.

Name Change

I HAVE changed my name from Anisa to Anisa Malik W/o Mohd. Tahir Malik, R/o H.No. 205, Near Badi Masjid, Pasonda, Sahibabad, Ghaziabad, UP-201005, for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं०-एन0के0-1/712सी, इंदिरापुरम, गाजियाबाद शमीम अहमद पुत्र गुलशेर अहमद को आवंटित है। इनके द्वारा श्री गुमान सिंह नेगी पुत्र श्री चन्द्र सिंह नेगी के पक्ष में दिनांक 26.09.2001 को मुख्तारेआम पंजीकृत किया गया है। मुख्तारेआम की हैसियत से इनके द्वारा मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 08.09.2008 को लीज डीड निष्पादित कराने के उपरान्त उक्त भवन को श्री रामदयाल शर्मा पुत्र श्री ईश्वरी दत्त शर्मा के पक्ष में दिनांक 12.01.2017 को विक्रय कर दिया गया है। तदोपरान्त श्री रामदयाल शर्मा पुत्र श्री ईश्वरी दत्त शर्मा द्वारा उक्त भवन को श्रीमती शशि बिष्ट पत्नी श्री संजय सिंह बिष्ट एवं उर्वशी बिष्ट पुत्री श्री संजय सिंह बिष्ट के पक्ष में दिनांक 31.03.2024 को पट्टा विलेख निष्पादित किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में शमीम अहमद पुत्र गुलशेर अहमद के नाम के स्थान पर श्रीमती शशि बिष्ट पत्नी श्री संजय सिंह बिष्ट एवं उर्वशी बिष्ट पुत्री श्री संजय सिंह बिष्ट का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-6
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं०- बी-313ए, ई०डब्लू०एस०, लाजपत नगर, गाजियाबाद श्री शिवचरन पुत्र श्री रामजी लाल को आवंटित है। इनके द्वारा श्रीमती राजेश्वरी अग्रवाल पत्नी श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल को दिनांक 03.03.1987 को मुख्तारेआम पंजीकृत किया गया है। मुख्तारेआम की हैसियत से श्रीमती राजेश्वरी अग्रवाल पत्नी श्री पुरूषोत्तम अग्रवाल द्वारा मूल आवंटी के पक्ष में दिनांक 30.06.2005 को लीज डीड निष्पादित कराने के उपरान्त उक्त भवन को श्री पुरुषोत्तम पुत्र श्री बिशम्भर दयाल के पक्ष में दिनांक 13.11.2024 को पट्टा विलेख निष्पादित किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में श्री शिवचरन पुत्र श्री रामजी लाल के नाम के स्थान पर श्री पुरुषोत्तम पुत्र श्री बिशम्भर दयाल का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-7
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं0-346, एल०आई०जी० तुलसी निकेतन गाजियाबाद श्री धर्मपाल पुत्र श्री सिंग राम को आवंटित है। इनके द्वारा श्री मंदीप पुत्र श्री आर०पी० सिंह के पक्ष में दिनांक 09.12.1997 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय गाजियाबाद में मुख्तारेआम पंजीकृत किया गया है। मुख्तारेआम की हैसियत से श्री मंदीप पुत्र श्री आर०पी० सिंह द्वारा भवन के मूल आवंटी श्री धर्मपाल पुत्र श्री सिंग राम के पक्ष में लीज डीड हेतु प्रस्तुत अभिलेख पहचान पत्र, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र व मुख्तारेआम की सत्यापित प्रति तथा भवन आवंटन सम्बन्धी अभिलेख प्रस्तुत करते हुए लीज डीड कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार रजिस्ट्री की अग्रिम कार्यवाही निष्पादित कर दी जायेगी।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-8
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय/वाणिज्यिक/किराये की/नजूल इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	मूल आवंटी/ पट्टाधारक/ स्वामी का नाम	भूखण्ड/ भवन/फ्लैट/ दुकान संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री महेश चन्द गर्ग पुत्र श्री चिम्मन लाल	27	अतिरिक्त सिहानी गेट, गाजियाबाद	श्रीमती मनी देवी पत्नी स्व. श्री महेश चन्द्र गर्ग, श्रीमती रेखा बंसल पत्नी श्री रूपेश कुमार पुत्री स्व. श्री महेश चन्द्र गर्ग, श्री संजय कुमार गर्ग, अमित कुमार गर्ग एवं श्री सुमित कुमार गर्ग पुत्रगण स्व. श्री महेश चन्द्र गर्ग	थर्ड एम/आर-5, नेहरू नगर, गाजियाबाद। 9650162000 9810380898	आवंटी श्री महेश चन्द गर्ग पुत्र श्री चिम्मन लाल की मृत्यु दिनांक 06.06.2020 हो जाने के कारण	पूर्ण स्वामित्व

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त दुकान/भूखण्ड/भवन/फ्लैट के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव/प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जाएगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी व्यवसायिक, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद
विकास पथ गाजियाबाद
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	आवंटी/पट्टेदार का नाम	भूखण्ड सं0/ योजना का नाम	आवेदक का नाम	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	श्री कुलदीप चन्द्र मदान पुत्र श्री अमरनाथ मदान	9/189, सै.-03, राजेन्द्रनगर	श्रीमती चंदर कान्ता मदान पत्नी स्व. श्री कुलदीप चन्द्र मदान	9/189, सै.-03, राजेन्द्रनगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद 9819330958	आवंटी श्री कुलदीप चन्द्र मदान की मृत्यु दि0 06.10.2021 को होने से पूर्व आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में दिनांक 27.06.1983 को आवेदक के पक्ष में की गयी रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर	फ्री-होल्ड

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते हैं, अन्यथा स्तम्भ-4 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पति का अन्तरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद
विकास पथ गाजियाबाद
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	आवंटी/पट्टेदार का नाम	भूखण्ड सं0/ योजना का नाम	आवेदक का नाम	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	श्रीमती सरवती पत्नी स्व. श्री गजे सिंह	सी-83/26, गोविन्दपुरम	श्री विनोद कुमार व श्री मनोज कुमार पुत्रगण स्व. श्री गजे सिंह	147, ग्राम वलीदपुर, मेरठ, दौराला मेरठ-205221 9368691406	आवंटी श्रीमती सरस्वती व उनके पति श्री गजे सिंह की मृत्यु दि0 14.08.2020 व 27.07.2003 को होने के कारण	फ्री-होल्ड

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते हैं, अन्यथा स्तम्भ-4 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पति का अन्तरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

खोया पाया

समन वास्ते करारबाद तनकीह तलब आर्डर 5, कायदा 1 व 5
न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, बुलन्दशहर
एम०ए०सी० सं०- 510 सन्-2020
1. निसरत उम्र करीब 56 वर्ष पुत्र स्व० हसमत, 2. अली जान उम्र करीब 18 वर्ष पुत्र स्व० निसरत, 3. विलाल उम्र करीब 16 वर्ष पुत्र निसरत, 4. रूबीना उम्र करीब 13 वर्ष पुत्री निसरत
निवासीगण-मौहल्ला-छत्ता, कस्बा व थाना व तहसील-अनूपशहर, जिला-बुलन्दशहर (याची सं0-3 ता 4 नाबालिगान द्वारा पाकृतिक संरक्षिका याची सं0-1 श्रीमती अनीता माता स्वयं)
..........याचीगण
--बनाम--
1. असलम पुत्र अब्दुल माजिद, निवासी-334 सराय झाझन, सिकन्द्राबाद, कस्बा-सिकन्द्राबाद, जिला-बुलन्दशहर।
(चालक दुर्घटना कारित ट्रक नं0-UP-13AT-3151)
.... विपक्षी
हरगाह याचीगण ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बातारीख 05 जून 2025 ई० बवक्त 10.00 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमें के हालात के करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुछ उमराई अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके हाजिर हो और जबाव देही दावा करे और लाजिम है कि उसी रोज अपने दस्तावेज पेश करें। जिस पर आप अपनी जवाबदेही के दस्तखत कराना चाहते हो।
बवक्त मेरे दस्तख्त और मोहर अदालत के आज 03 बतारीख माह 05 सन 2025 ई० को जारी किया गया।
मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, बुलन्दशहर

परमार्थ निकेतन में प्रवाहित हो रही श्रीराम गंगा के दूसरे दिन राष्ट्रभक्ति की अमृतधारा

परमार्थ निकेतन में निकाली तिरंगा रैली

हिन्द आत्मा संवाददाता

- श्रीराम कथा का दूसरा दिन राष्ट्र और सेना को किया गया समर्पित
- श्रीराम, राष्ट्र और एकता की अद्वितीय प्रेरणा श्रीराम कथा

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के दिव्य गंगा तट पर चल रही मासिक श्रीराम कथा के दूसरे दिन की कथा भक्ति और ज्ञान के साथ राष्ट्र समर्पण की अमर कथा बन गई। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के नेतृत्व परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों ने आज भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। ऋषिकुमारों ने आश्रम परिसर और गंगा तट पर भारत माता की जय, वंदे मातरम् और ह्यजय श्रीराम के जयघोष के साथ तिरंगा रैली निकले। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि राष्ट्र है तो हम है, हमारी पहचान है और हमारा अस्तित्व है। भारतवर्ष एक ऐसा राष्ट्र है जिसकी मिट्टी में बलिदान की सुगंध और हवा में देशभक्ति की गूंज बसी हुई है। जब-जब वतन पर संकट आया है, तब-तब हमारी सेना ने अपने अदम्य साहस, अनुशासन और समर्पण से देश की अस्मिता की रक्षा की है। देश में चाहे कोई राजनीतिक संकट हो, सामाजिक उथल-पुथल हो या सरहदों पर दुश्मन की नापाक नजर हो हर बार सबसे पहले जो आगे आते हैं, वे हैं हमारे सैनिक। वो सैनिक जो न तो किसी विशेष दल के हैं, न किसी मजहब या जाति के। उनका एक ही धर्म होता है वतन की सेवा। उनका एक ही मिशन होता है भारत माता की रक्षा। उनका जीवन अनुशासन, त्याग और आत्मबलिदान की मिसाल है। स्वामी जी ने कहा कि सरहद पर खड़ा जवान, उनकी आँखें हमेशा जागती रहती है ताकि ये देश और देशवासी चैन की नींद सो सके। आज जब हम अपने घरों में सुरक्षित हैं, लोकतंत्र का आनंद ले रहे हैं, तो यह नहीं भूलना चहिये कि कोई सियाचिन की बर्फीली हवाओं में, कोई राजस्थान की तपती रेत पर, कोई उत्तर-पूर्व के जंगलों में, और कोई कश्मीर की घाटियों में देश की हिफाजत कर रहा है। आइए, हम अपने वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, जो अपने जीवन को समर्पित कर राष्ट्र की रक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। उनकी निःस्वार्थ सेवा ही हमारी स्वतंत्रता, अखंडता और गौरव का आधार है। प्रभु श्रीराम का भी यही संदेश है-राष्ट्र प्रथम। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र व प्रजा पर न्यौछावर कर दिया।

संत श्री मुरलीधर जी ने कथा में कहा कि भगवान श्रीराम जी का जीवन सम्पूर्ण भारतवर्ष की आत्मा हैं। उनका वन गमन, रावण वध और रामराज्य की स्थापना सब कुछ राष्ट्र कल्याण के लिए था। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि जब राष्ट्र संकट में हो, तब हर व्यक्ति को अपना आराम, अधिकार और अहंकार त्यागकर राष्ट्र धर्म निभाना चाहिए। रामकथा हमें बताती है कि व्यक्तिगत जीवन से ऊपर है राष्ट्रधर्म। उन्होंने कहा कि जैसे श्रीरामजी ने अपनी सुख-सुविधा छोड़कर 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, वैसे ही आज हमारे वीर सैनिक अपनी जान की परवाह किए बिना सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। उनका बलिदान केवल सीमा पर नहीं, हमारी साँसों में भी बसा है। श्रीराम कथा का यह दिन उन सभी वीर सपूतों को समर्पित है जिन्होंने भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। स्वामी जी ने तिरंगा यात्रा के साथ मासिक मानस कथा में सहभाग किया तथा आज की कथा का विराम भी तिंरगा यात्रा से ही हुआ।

विधायक डॉ मंजू शिवाच ने फीता काटकर किया ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों का उद्घाटन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र स्थित गांवों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने शुक्रवार को लाखों रुपए की लागत से बनने वाली सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मोदीनगर वर्तमान विधायक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम जोया में मुख्यमंत्री त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत सुखवीर के मकान तक इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक डॉ.मंजू शिवाच द्वारा किया गया। जिसकी कुल लागत ₹55.46 लाख बताई गई ।इसके अलावा ग्राम तिबड़ा में विधायक निधि से मेन रास्ते से पानी की टंकी तक इंटरलोकिंग रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक द्वारा किया गया। जिसकी कुल लागत ₹9.88 लाख बताई गयी है। इसके साथ ही ब्लॉक भोजपुर द्वारा कराये गये विकास कार्यों का भी उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ.मंजू शिवाच ने कहा कि मेरी समस्त विधानसभा क्षेत्र मैं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाते रहेंगे।

यूपी में प्रचंड गर्मी का कहर, आगरा समेत कई जिलों में पारा 45 डिग्री पार; 22 जनपदों में लू का अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को प्रदेश के आगरा और झांसी में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, वाराणसी, अमेठी, सुल्तानपुर आदि जिलों में दोपहर में ही तापमान 44 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार और शनिवार को दक्षिणी यूपी, बुंदेलखंड के साथ ही आगरा और अलीगढ़ डिविजन में गर्मी और लू प्रकोप ज्यादा संभावित है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के पूर्वी दक्षिणी और बुंदेलखंड के 22 जिलों के लिए लू की चेतावनी जारी किया है। साथ ही शुक्रवार से लेकर शनिवार के दौरान, प्रदेश के पूर्वी हिस्सों के 32 जिलों में लू की चेतावनी और 15 जिलों में उष्ण रात्रि की चेतावनी जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एक नया विक्षोभ और वेदर सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके असर से शुक्रवार और शनिवार के बीच तराई के आठ जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। प्रदेश के उत्तरी- तराई इलाके में बादलों की आवाजाही है। 17 मई से तराई इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं।

बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में लू की चेतावनी है। देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर व आसपास के इलाकों में मेघगर्जन के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना है।

10वीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक लेकर हर्षित श्रीवास ने किया माता पिता और स्कूल का नाम रोशन

ग्रेटर नोएडा (हिन्द आत्मा)। श्रीमती रेखा श्रीवास एवं बंटी श्रीवास के पुत्र हर्षित श्रीवास ने सीबीएसई बोर्ड में 10वीं कक्षा में 95 प्रतिशत अंक लाकर माता पिता और स्कूल का नाम रोशन किया है। जानकारी के अनुसार हर्षित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पी-3, ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर का होनहार छात्र है। हर्षित बचपन से पढ़ने में बहुत अच्छा है इसी कारण सभी अध्यापक उसे प्यार करते हैं और अच्छी शिक्षा देते थे। हर्षित के अच्छे परिणाम से उसके माता पिता को ही नहीं उसके अध्यापकों को भी उस पर गर्व है। सभी ने हर्षित के उज्जवल भविष्य की कामना की और हर्षित ने उनकी सभी कसौटियों पर खरा उतरने का प्रयत्न किया। हर्षित द्वारा अपनी सफलता हेतु अपने माता पिता को इसका श्रेय दिया कि उनके अच्छे पालन पोषण के कारण परीक्षा में वो इतना अच्छा प्रदर्शन कर पाया।

मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का भव्य शुभारंभ

जर्मनी, जापान, सर्बिया सहित देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों ने लिया भाग

हिन्द आत्मा संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में 'गणित में नवीनतम प्रगति' विषय पर आधारित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ उत्साहपूर्वक हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन देश-विदेश से पधारे ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथियों में जर्मनी से प्रो. एबरहार्ड मालकोवस्की, जापान से प्रो. ताकानोरी इबाराकी, सर्बिया से प्रो. वेस्ना वेलिक्कोविक, डॉ. जाविद अली (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी), डॉ. इजहार उद्दीन (जामिया मिल्लिया इस्लामिया), प्रो. मुकेश कुमार शर्मा (सीसीएसयू, मेरठ), डॉ. संजय कुमार तथा एमआईटी के निदेशक डॉ. केएलए खान शामिल रहे। सम्मेलन के संयोजक डॉ. मोहम्मद अरशद ने जानकारी दी कि इस आयोजन का उद्देश्य गणित के विविध क्षेत्रों में कार्यरत शोधार्थियों और विद्यार्थियों को एक साझा अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे विशेषज्ञों के साथ संवाद कर सकें। सम्मेलन में फंक्शनल एनालिसिस, वेवलेट थ्योरी, ऑप्टिमाइजेशन, ग्राफ थ्योरी, कोडिंग थ्योरी और डिफरेंशियल इक्वेशंस जैसे समसामयिक विषयों पर गंभीर विमर्श किया जा रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन में कुल 92 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए हैं। पहले दिन 50 शोध पत्रों पर चर्चा संपन्न हुई, जबकि शेष 42 पर दूसरे दिन चर्चा की जाएगी।

प्रो. एबरहार्ड मालकोवस्की ने जर्मनी की उच्च शिक्षा प्रणाली एवं सरकार द्वारा लागू की जा रही नवीन शैक्षिक नीतियों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, प्रो. ताकानोरी इबाराकी ने जापान में गणित के अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चाहे सुई का निर्माण हो या अत्याधुनिक फाइटर प्लेन का निर्माण, गणित हर क्षेत्र की बुनियाद है और जापान इसका गहनतम उपयोग करता है। इस अवसर पर चैयरमेन विष्णु शरण,संस्थान के प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन एकेडमिक डॉ. गौरव शर्मा, प्रिंसिपल फामेर्सी डॉ. नीरज कांत शर्मा, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. नाजिम, डॉ. पंकज शर्मा, अजय चौधरी सहित कई गणमान्य अतिथिगण एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

राजनगर एक्सटेंशन के निवासियों को सड़क निर्माण से मिलेगी बड़ी राहत, जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देशन में सड़क निर्माण कार्य अंतिम दौर में

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में बंधा रोड से चार्म्स कैसेल से क्लासिक रेजिडेंसी तक सड़क का निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस चकरोड की खराब हालत के कारण स्थानीय लोगों को प्रतिदिन आने-जाने में परेशानी, धूल की समस्या व बारिश के कारण जलभराव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उपाध्यक्ष के निदेशों के क्रम में सड़क निर्माण कार्य हेतु टेन्डर प्रक्रिया मार्च 2024 में शुरू की गई थी। जिसके उपरांत शीघ्र नाला निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया और सड़क पर गड्ढों को भर दिया गया है। वर्तमान में रोड संबंधी कार्य अंतिम चरण में हैं जो मई 2025 के अंत तक पूर्ण होने की संभावना है। कार्य की लागत 218.85 लाख है तथा 700 मीटर लंबाई है जिसके फलस्वरूप सड़क सुदृढ़ीकरण के कार्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इस कार्य से क्षेत्र के निवासियों को धूल की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन में होने वाली परेशानी से भी निजात मिलेगी। इसके अलावा, सड़क का सुदृढ़ीकरण होने से क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ेगी और निवासियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। जीडीए का यह कार्य क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

हापुड़ में निकाली गई तिरंगा शौर्य यात्रा

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान और दुश्मनों को दिया मुंहतोड़ जवाब

हापुड़ (हिन्द आत्मा)। भारत और पाकिस्तान के बीच बीते दिनों युद्ध जैसे माहौल हो गए थे। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान को जहां करारा जवाब देने का काम किया है। तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हर मोर्चे पर पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम किया है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री और ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप हापुड़ में आयोजित तिरंगा शौर्य यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान स्थानीय लोग, नेता और छात्र भी तिरंगा यात्रा के दौरान मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के जरिए भारतीय जनता पार्टी बीते दिनों पाकिस्तान और दुश्मनों को सबक सिखाने के बाद जश्न मनाने का काम कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप का कहना है कि जिस तरीके से बीते दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच हालात थे। उस महत्वपूर्ण समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब देने का काम किया है। भारतीय सेना ने जिस साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया है वह बता रहा है कि भारत आज कितना शक्तिशाली और ताकतवर हो चुका है। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि अगर पाकिस्तान के द्वारा निकट भविष्य में किसी प्रकार की आतंकवादी घटना को अंजाम दिया गया, तो पाकिस्तान को इस बार बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। हापुड़ में भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, छात्र-छात्राएं, व्यापारी और अन्य वर्ग के लोग शामिल हुए। सभी ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। साथ ही सेना की जय जयकार की गई। बता दें कि इन दिनों पूरे उत्तर प्रदेश और देश के प्रमुख शहरों में सेना के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी मैदान में आ गई है। जगह- जगह तिरंगा शौर्य यात्रा और जश्न को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं।

कुत्तों का आतंक: 24 घंटे में छह पर हमला, किसी की टांग तो किसी के हाथ पर काट किया जख्मी

मसूरी/गाजियाबाद। क्षेत्रांतर्गत गांव नाहल में कुत्तों का आतंक आधा दर्जन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया है। पीड़ितों में दो महिलायें भी हैं। कुत्ते के काटने से हुये जख्मी को जीटीबी में भर्ती किया है। ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामवासियों ने ग्राम प्रधान से आवारा कुत्तों को पकड़वाने की गुहार लगाई है। मसूरी क्षेत्र के गांव नाहल में आवारा कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। घर के बाहर निकलने पर कुत्ते काटकर लोगों को जख्मी बना रहे हैं। बृहस्पतिवार रात्री से शुक्रवार दोपहर तक कुत्तों ने आधा दर्जन लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। लोगों में घर के बाहर निकलने पर दहशत लग रही है। गांव नाहल मोहल्ला खाकियान निवासी विनोद कुमार की बेटी वर्षा 21 बीती रात अपनी बैठक में गई तो वहां कुत्ते ने उनपर हमला कर दिया। युवती की टांग में कुत्ता काटकर भाग गया। युवती के परिजन तुरन्त अपनी बेटी को गांव में ही चिकित्सक के पास ले गये। जहां चिकित्सक ने युवती को एन्टी रैबीज वैक्सीन लगाई। वहीं, बीती रात मोहल्ला सुभान कों निवासी ताहिर अली 40 को घर के बाहर निकलने पर कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने इनका हाथ काटकर जख्मी कर दिया। रात्री में ताहिर अली ने गांव के चिकित्सक से प्रथम उपचार कराया मगर शुक्रवार सुबह ताहिर अली सीएचसी डासना गये। चिकित्सक ने इनको दिल्ली जीटीबी रेफर कर दिया। वहीं, मोहल्ला नाइयों वाला निवासी हसीन 60 पत्नी इस्लामुद्दीन के हाथ में काटकर जख्मी किया तथा मोहल्ला खाकियान निवासी मुजम्मिल 60 और मोहल्ला मेंढकों वाला निवासी जाहिद 28 पुत्र अताहुसैन को भी आवारा कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। वहां से भाग गये।

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की धुरी बनेगा शिक्षक: अभ्यास वर्ग सम्पन्न

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ - दिल्ली प्रदेश द्वारा 15-16 मई 2025 को श्री माधव सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र, समालखा (हरियाणा) में आयोजित दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग वैचारिक गहराई, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और प्रेरक संवादों से परिपूर्ण रहा। राजेश (सह प्रांत कार्यवाह दिल्ली, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) एवं महेन्द्र कपूर (अखिल भारतीय संगठन मंत्री) ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संगठन की वैचारिक शक्ति, समर्पण भाव और "सुमंत्रिते, सुविक्रांते, सुकृते, सुविचारिते" जैसे सिद्धांतों से कार्यकताओं को प्रेरित किया। प्रो. गीता

भट्ट (अखिल भारतीय महामंत्री) ने 'तन-मन-जीवन समर्पण' की अवधारणा रखते हुए भारतीय शिक्षा की सांस्कृतिक आत्मा, पर्यावरण चेतना और संगठन के पारिवारिक स्वरूप को स्पष्ट किया। पवन कुमार (उत्तर क्षेत्र प्रमुख) ने वार्षिक योजना पर संवाद किया, जबकि डॉ. अजय कुमार सिंह (प्रदेश महामंत्री) ने पंच परिवर्तन और सामाजिक विषमताओं के उन्मूलन में शिक्षक समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। विचारशील सत्रों में संगठन विस्तार, सदस्यता, टोली निर्माण, महिला सहभागिता, प्रवास रणनीति और संगठन की विकास यात्रा पर संवाद हुआ। महेन्द्र कपूर ने 'मेरा विद्यालय-मेरा तीर्थ' का आह्वान करते हुए शिक्षकों से शिक्षा को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाने की अपील की। राजेश कुमार पालीवाल (अध्यक्ष, दिल्ली प्रदेश) ने सेवा नियमों पर विशेष सत्र लेते हुए शिक्षकों को उनके अधिकारों और दायित्वों से परिचित कराया। करीब 100 कार्यकताओं की सहभागिता से यह वर्ग संगठन की वैचारिक चेतना, आत्मीयता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक बना।

सांसद राजकुमार सांगवान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखी भोजपुर से निवाड़ी तक सड़क चौड़ीकरण की मांग

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। नगर पंचायत निवाड़ी वासियों ने सांसद राजकुमार सांगवान के समक्ष रखी थी दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे स्थित भोजपुर कट से निवाड़ी तक चार लाइन सड़क चौड़ीकरण कराए जाने की मांग। सांसद द्वारा अवगत कराया कि उन्होंने प्रदेश मुख्यमंत्री के समक्ष कस्बा वासियों की मांग को रख दिया है। बिल्डर एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व में कस्बा निवाड़ी निवासी लोग सांसद राजकुमार से मिले जिन्होंने मोदीनगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाली औद्योगिक नगरी से भोजपुर कट एवं निवाड़ी तक की खस्ता हाल सड़क के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि यह मार्ग दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे से जुड़ता है और यहां पर भारी वाहनों की निरंतर आवाजाही रहती है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहां पर माल वाहक ट्रैकों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिससे संकरी सड़क पर यातायात में अत्यधिक परेशानी होती है दुर्घटना की संभावना भी निरंतर बनी रहती है। जिसका चार लाइन सड़क चौड़ीकरण चोरी करण होना अति आवश्यक है। इस समस्या समाधान के लिए सांसद राजकुमार सांगवान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यालय पर जाकर उनसे मिले और उन्हें कस्बा वासियों की समस्या से अवगत कराया। प्रदेश मुख्यमंत्री द्वारा बागपत लोकसभा सासद को जल्द समस्या समाधान का आश्वासन दिया गया। सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर बिल्डर एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविंद्र त्यागी के नेतृत्व में सांसद से मिलने वाले लोगों में मुख्य रूप से निवाड़ी नगर अध्यक्ष अनिल त्यागी, युवा नेता अंकित त्यागी, भाकियू नेता नरेंद्र त्यागी, राष्ट्रीय संरक्षक भारतीय किसान यूनियन किसान सभा सत्येंद्र त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

आरकेजीआईटी में बोन वोयेज 2025 - फेयरवेल पार्टी का हुआ आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। मेरठ रोड गाजियाबाद स्थित राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में थर्ड ईयर स्टूडेंट्स द्वारा फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल पार्टी 'बोन वोयेज -2025' का आयोजन किया गया। फेयरवेल पार्टी का आयोजन बहुत धूमधाम से हुआ। इसमें फाइनल ईयर स्टूडेंट के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई गई। जिसमे सीएसई ब्रांच के छात्र अविनाश दीक्षित को मिस्टर फेयरवेल व सीएसई - डीएस ब्रांच की छात्रा तनु राणा को मिस फेयरवेल चुना गया। थर्ड ईयर के स्टूडेंट्स ने सभी फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स को गिफ्ट देकर सम्मानित किया। यह आयोजन एक भावनात्मक समारोह बन गया। जिसमें फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स ने संस्थान के बारे में अपने अनुभव और विचार शेयर किए। उन्होंने संस्थान के द्वारा उनका कैरियर बनाने में योगदान की सराहना की व संस्थान में 4 साल के स्टे को अभूतपूर्व बताया। छात्रों ने कहा कि संस्थान में 4 साल कैसे बीत गए पता ही नहीं चला। फाइनल ईयर स्टूडेंट्स द्वारा संस्थान में बिताए गए लम्हों का एक वीडियो शूट भी प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर न सिर्फ छात्र बल्कि शिक्षकगण भी भावुक हो गए। इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान और डायरेक्टर डॉ. बी.सी. शर्मा ने फाइनल ईयर के सभी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल कैरियर के लिए शुभकामनाएं दी। बोन-वोयेज-25 फेयरवेल पार्टी का संचालन स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल के चेयरमैन आलोक त्यागी, कन्वीनर प्रिया शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर एच.जी. गर्ग, डीन एकेडमिक डा. आर. के. यादव, डीन ईआईआई डॉ. पुनीत चंद्र श्रीवास्तव, डीन एक्रीडिटेशन डॉ. रामेंद्र सिंह, विकास त्यागी, मानस त्रिपाठी, डॉ नीना शर्मा, सभी विभागों के अध्यक्ष व फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित रहे।

10 वीं बोर्ड परीक्षा में ऑल इंडिया सेकेंड टॉपर भाविका अरोड़ा को पूर्व राज्य सभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल ने दी बधाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद की होनहार छात्रा भाविका अरोड़ा ने 10वीं कक्षा में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया सेकेंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। इस शानदार उपलब्धि के लिए भाविका ने शुक्रवार को पूर्व राज्यसभा सांसद एवं एचआरआईटी यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. अनिल अग्रवाल से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल अग्रवाल ने भाविका को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तुमने अपने मेहनत और लगन से पूरे देश में गाजियाबाद का नाम रोशन किया है। मुझे विश्वास है कि बारहवीं में भी इसी तरह का प्रदर्शन कर अपने माता-पिता और शहर को प्राउड फील कराओगी। याद रखो-'जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। डॉ. अनिल अग्रवाल ने भाविका के पिता संदीप अरोड़ा को भी बेटी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि बेटी की सफलता में माता-पिता की मेहनत और संस्कारों की बड़ी भूमिका होती है, और आज आप दोनों वाकई गर्व के अधिकारी हैं। इस मुलाकात में भाविका के पिता संदीप अरोड़ा भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपनी बेटी की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद

बैंकों में लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण हेतु एसओपी का अध्ययन करें: अभिनव गोपाल

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद ओडीओपी योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत बैंकों में प्राप्त लंबित आवेदनों की बैंकवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पाया गया कि बैंकों द्वारा आवेदनों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जा रही है एवं काफी बैंक शाखाओं में शत-प्रतिशत आवेदन लंबित बने हुए हैं। उक्त पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गंभीर नाराजगी व्यक्त की गई एवं सभी बैंक अधिकारियों को अवगत कराया गया कि उक्त ऋण योजनाओं की समीक्षा प्रत्येक माह सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा की जा रही है। मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान योजना मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी एवं प्राथमिक योजनाओं में से एक है, जिसकी समीक्षा शासन स्तर पर भी निरंतर की जा रही है, जिसमें बैंकों को आवंटित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति किए जाने हेतु निर्देशित किया जा रहा है।

बैठक में उपस्थित बैंक अधिकारियों को योजना एवं आवेदनों की पूर्ण जानकारी न होने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा असंतोष प्रकट किया गया। तथा सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी बैंक अधिकारी अपनी समस्त बैंक शाखाओं के संबंधित बैंक कर्मचारी/अधिकारी को योजना की समस्त जानकारी एवं उक्त के संचालन के विषय में, कि आवेदन पर किस प्रकार स्वीकृति वितरण आदि की कार्यवाही करनी है, जानकारी प्रदान कराए। बैंकों में लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण हेतु एसओपी का अध्ययन करें तथा एस ओ पी के अनुसार आवेदनों के निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा, केनरा बैंक, एसबीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं उक्त के अतिरिक्त कई बैंकों से एसओपी के अनुसार आवेदन ऑन के निस्तारण हेतु तैयार चेक लिस्ट उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वह आगामी बैठक में प्रत्येक आवेदन की पूर्ण जानकारी एवं योजना की पूर्ण जानकारी के साथ ही बैठक में उपस्थित हों। बैठक में उपस्थित उपायुक्त उद्योग, श्रीनाथ पासवान द्वारा अवगत कराया गया कि बैंकों द्वारा आवेदनों को काफी अधिक संख्या में निरस्त/वापिस किया जा रहा है। उक्त पर मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद द्वारा सभी बैंक अधिकारियों को लंबित आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने तथा आवेदनों पर सकारात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया एवं बिना किसी विशेष कारण के आवेदन निरस्त न किए जाएं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अग्रणी जिला प्रबंधक केनरा बैंक गाजियाबाद को प्रत्येक जिला समन्वयक बैंक से समन्वय स्थापित कर लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पीडब्ल्यूडी की कार्ययोजना: हर विधायक की सिफारिश पर बनेंगी 20-25 करोड़ की सड़कें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हर विधानसभा क्षेत्र में 20-25 करोड़ रुपये की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी। जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को पीडब्ल्यूडी अपनी कार्ययोजना में शामिल कर रहा है। हालांकि, इन प्रस्तावों की उपयोगिता का पहले तकनीकी परीक्षण भी होगा। यूपी पीडब्लयूडी का करीब तीन लाख किमी लंबा रोड नेटवर्क है। हर साल 30-32 हजार करोड़ रुपये का विभाग का बजट रहता है। चालू वित्त वर्ष में इस तरह से कार्ययोजना तैयार हो रही है कि सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में एकसमान रूप से विकास हो सके। इसलिए सभी विधायकों से सड़क निर्माण, विशेष मरम्मत और मरम्मत के प्रस्ताव ले लिए गए हैं। जिलास्तर पर डीएम की अध्यक्षता में बैठक करके इन प्रस्तावों को फाइनल किया जा चुका है। अब मुख्यालय पर स्तर पर इन प्रस्तावों का परीक्षण किया जा रहा है। उच्चस्तर से निर्देश दिए गए हैं कि ट्रैफिक और तकनीकी बिंदुओं पर विचार करते हुए प्रस्तावों का अंतिम रूप दिया जाए। ऐसा न हो कि जिस सड़क पर अपेक्षाकृत कम ट्रैफिक हो, वो निर्माण के लिए चयनित हो जाए, जबकि अधिक ट्रैफिक वाली को स्वीकृति न मिले।